mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-180 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

02 जुलाई 2025 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत में क्रिकेट ... @ पेज 7

जब संसद की सुरक्षा में लगी थी सेंध, जमानत याचिका पर फैसला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट दिसंबर 2023 में संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में दो आरोपियों की जमानत याचिका पर बुधवार (2 जुलाई) को फैसला सुनाएगा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 21 मई को आरोपियों नीलम आजाद और महेश कुमावत की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। आरोपियों ने उनकी जमानत याचिका खारिज करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

साल 2001 संसद आतंकवादी हमले की बरसी पर संसद की सुरक्षा में सेंध की एक बड़ी घटना में आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कथित तौर पर कूद गए थे। इसी दौरान कैनिस्टर से पीली गैस छोड़ने के साथ ही नारेबाजी की थी। बाद में कुछ सांसदों ने उन्हें काबू कर लिया था।

लगभग उसी समय, दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और आजाद ने संसद परिसर के बाहर ÷तानाशाही नहीं चलेगी÷ के नारे लगाते हुए कैनिस्टर से रंगीन गैस छोड़ी थी। आजाद के वकील ने कहा कि उसे जमानत दी जानी चाहिए, क्योंकि इस मामले में यूएपीए के प्रावधान लागू नहीं होते। उसके वकील ने दावा किया कि वह संसद में कोई विस्फोटक लेकर नहीं आई थी और केवल बाहर खड़ी थी।

जमानत याचिका का विरोध करते हुए पुलिस ने आरोप लगाया कि आरोपी की मंशा 2001 के संसद हमले की %पीड़ादायक यादें% दोबारा ताजा करने की थी। अभियोजन पक्ष ने जमानत याचिका का

विरोध किया और कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि आरोपी आजाद और शिंदे - शर्मा और मनोरंजन डी के सहयोगी थे। उन्होंने मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था।

अभियोजन पक्ष ने हाई कोर्ट को सूचित किया कि उसने मामले में आरोपियों को गिरफ्तारी के आधार %विधिवत% बताए गए हैं। अदालत ने सवाल किया था कि क्या मामले में आरोपियों को गिरफ्तारी के आधार बताए गए थे। अदालत ने इससे पहले आरोपियों से 13 दिसंबर की विशिष्ट तिथि चुनने का कारण पूछा था, जिस दिन 2001 में संसद भवन पर हमला हुआ था।

अदालत ने पुलिस से भी पूछा था कि क्या संसद के अंदर और बाहर धुंए वाले कैनिस्टर को ले जाना या उसका उपयोग करना यूएपीए के अंतर्गत आता है और क्या यह आतंकवादी गतिविधियों की परिभाषा के अंतर्गत आता है। निचली अदालत ने आजाद की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि यह मानने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि उसके खिलाफ लगाए गए आरोप %प्रथम दृष्टया% सत्य हैं।

अदालत ने कहा था कि सभी आरोपियों आजाद, मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, ललित झा और महेश कुमावत को खालिस्तानी आतंकवादी द्वारा 13 दिसंबर, 2023 को संसद को निशाना बनाने की धमकी के बारे में पहले से ही जानकारी थी। चार आरोपियों को मौके से हिरासत में लिया गया था, जबकि झा और कुमावत को बाद में गिरफ्तार किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप की फिर बढ़ीं मुश्किलें, ईरान से जुड़े हैकरों ने उनके सहयोगियों के ईमेल्स लीक करने की धमकी दी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ईरान से जुड़े हैकरों ने 2024 के अमेरिकी चुनाव से पहले के डोनाल्ड ट्रंप के सर्कल से चुराए गए ईमेल को लीक करने की धमकी दी है। रविवार और सोमवार को रॉयटर्स के साथ ऑनलाइन चैट में, हैकर्स (रॉबर्ट) ने कहा कि उनके पास व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ

स्टाफ सूजी विल्स, ट्रंप के वकील लिंडसे हॉलिगन, ट्रंप के सलाहकार रोजर स्टोन और पोर्न स्टार से ट्रंप विरोधी बनीं स्टॉर्मी डेनियल्स के खातों से जुड़े लगभग 100 लक्क के ईमेल्स हैं। जिस हैकर्स के समूह ने ये धमकी दी है, उसने अपना नाम रॉबर्ट बताया है। रॉबर्ट ने इन ईमेल्स को बेचने की संभावना जताई, लेकिन अपनी योजनाओं का विवरण नहीं दिया। हैकर्स ने ईमेल की सामग्री का वर्णन भी नहीं किया कि वह किस तरह के ईमेल्स हैं। हालांकि इस मामले में तेहरान ने अतीत में साइबर जासूसी करने से इनकार किया है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने इस घुसपैठ को एक अविवेकपूर्ण साइबर हमला बताया है। व्हाइट हाउस और एफबीआई ने एफबीआई निदेशक काश पटेल के एक बयान के साथ जवाब दिया, जिन्होंने कहा, ÷राष्ट्रीय सुरक्षा के किसी भी तरह के उल्लंघन से जुड़े किसी भी व्यक्ति की पूरी तरह से जांच की जाएगी और कानून की पूरी सीमा तक मुकदमा चलाया जाएगा।%

पाकिस्तान की जेल में चल रही साजिश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से बुरी खबर आई, जिसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के सबसे पॉपुलर लीडर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में मारने की साजिश हो रही है। इमरान खान की बहन अलीमा खान ने इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मेरे भाई इमरान की बेल पिटीशन पर सुनवाई को जानबूझ कर टाला जा रहा है। इमरान खान को जेल में आम कैदियों को मिलने वाली सहूलियतें भी नहीं मिल रही हैं। परिवार वालों को इमरान खान से नहीं मिलने दिया जा रहा है, उनके

वकीलों की जेल में एंट्री वैन कर दी गई है। इमरान की बहनें अलीमा खान और उजमा खान आज भी रावलपिंडी की अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें इमरान खान से नहीं मिलने दिया गया। अलीमा खान ने कहा कि जनरल आसिम मुनीर ने पाकिस्तान में अनडिक्लेयर्ड मार्शल लॉ लागू कर दिया है। ज्यूडिशियरी पूरी तरह सरकार और फौज के इशारे पर चल रही है। इमरान खान को आइसोलेट करके, उन्हें राजनातिक तौर पर पूरी तरह से खत्म करने की साजिश हो रही है। इमरान को जेल में टॉर्चर किया जा रहा है। अदालत के आदेश पर इमरान खान की सेल में पंखा लगाया गया है, कूलर लगाया गया है, लेकिन पावर सप्लाई बंद कर दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ना वकील इमरान से मिल सकते हैं, न डॉक्टर्स। कब, कौन सी बुरी खबर आ जाए कोई नहीं कह सकता। मतलब ये है कि इमरान खान की जान को खतरा है। इमरान ख़ान को 2018 में फ़ौज ने ही प्राइम मिनिस्टर बनाया था लेकिन, उनके बुरे दिन 2022 में उस वक़्त शुरू हुए, जब उस वक़्त के आर्मी चीफ जनरल क़मर जावेद बाजवा से इमरान ख़ान की खटपट हो गई।

संदिग्ध आतंकी अबुबकर सिद्दीक और मोहम्मद अली गिरफ्तार

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु की कोयंबटूर पुलिस ने दो प्रमुख संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। नागूर निवासी अबुबकर सिद्दीक और मेलापलायम निवासी मोहम्मद अली को आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले से गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों पिछले लगभग 30 साल से फरार थे। ये दोनों तमिलनाडु में कई बड़े बम धमाकों के मामलों में वांछित रहे हैं। गिरफ्तार किए गए दोनों आतंकियों पर कई घटनाओं में शामिल होने के आरोप हैं। इन आरोपों की एक लिस्ट सामने आई है। इनमें चेन्नई स्थित हिंदू मुन्ननी कार्यालय में धमाका और बेंगलुरु स्थित भाजपा कार्यालय में धमाका भी शामिल है। एक गुप्त सूचना के आधार पर कोयंबटूर पुलिस ने पहले बेंगलुरु में उनकी लोकेशन ट्रेस की थी। इसके बाद आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में उन्हें पकड़ लिया गया। इसके बाद दोनों को चेन्नई की क्यू ब्रांच (एंटी-टेररिज्म स्क्वाड) को सौंप दिया गया। जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। इन दोनों आतंकियों की गिरफ्तारी तमिलनाडु पुलिस के लिए काफी खास मानी जा रही है। तमिलनाडु में कई सालों से लंबित आतंकवादी मामलों की जांच में एक बड़ी सफलता मिलने वाली है। इन आतंकियों से पूछताछ के बाद ही कई आतंकी घटनाओं का बड़ा खुलासा हो सकेगा।

दिल्ली में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध

जांच में खरी उतरी गाड़ियों को 20 साल चलने की मिले अनुमति

दावणगेरे (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1 जुलाई 2025 से पुराने वाहनों पर कड़ा प्रतिबंध लागू हो गया है। दिल्ली सरकार ने 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंपों पर ईंधन देने पर पूर्ण रोक लगा दी है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने पुरानी गाड़ियों को जब्त कर कबाड़ करने की भारतीय जनता पार्टी सरकार की नीति को 'अन्यायपूर्ण' बताया है। दिल्ली कांग्रेस ने मांग की है कि जो वाहन प्रदूषण और फिटनेस जांच में खरे उतरते हैं, उन्हें कम से कम 20 साल तक सड़कों पर चलने की इजाजत दी जाए।

दिल्ली में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध की शुरुआत हो गई है। इसके तहत अपनी उम्र पूरी कर चुकी गाड़ियों को मंगलवार से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ईंधन नहीं मिलेगा।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉक्टर नरेश कुमार ने एक बयान में इस प्रतिबंध को %जनता के हितों के खिलाफ

साजिश% और वाहन निर्माता कंपनियों के साथ सरकार की %साफ-साफ सांठगांठ% बताया है। उन्होंने सरकार से यह नीति वापस लेने की मांग की और ऐसा न करने पर सरकार के खिलाफ आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी।

दिल्ली कांग्रेस की प्रवक्ता नरेश कुमार के बयान के मुताबिक, उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की केंद्र और दिल्ली सरकारें पूरी तरह फिट और प्रदूषण-मुक्त पुरानी गाड़ियों को जबरन कबाड़ करवाकर नई गाड़ियों की बिक्री को बढ़ावा देना चाहती हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता का दावा है कि यह एक सोची-समझी रणनीति है, जिससे गाड़ी निर्माता कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा, %बीएस-2 (भारत स्टेज) से लेकर बीएस-6 तक के कड़े उत्सर्जन मानकों के बावजूद, सरकार 10 या 15 साल में गाड़ियों को कबाड़ में तब्दील करवा रही है।

सहेली ही निकली दुश्मन, छात्रा पर फेंका तेजाब

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक युवती ने अपनी सहेली पर तेजाब फेंक दिया। पुलिस ने सोमवार को इस मामले की जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि रविवार देर रात अवधपुरी कॉलोनी में 23 वर्षीय

श्रद्धा दास पर हुए इस हमले के सिलसिले में उनकी 22 वर्षीय सहेली इशिता साहू को हिरासत में लिया गया है। शर्मा के अनुसार, श्रद्धा दास इस हमले में 40 से 45 प्रतिशत तक झुलस गई हैं और वर्तमान में उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। दोनों युवतियां ज्ञानगंगा कॉलेज की छात्राएं हैं और आपस में दोस्त थीं। हालांकि, किसी कारणवश पिछले एक महीने से दोनों के बीच बातचीत बंद थी। पुलिस ने बताया कि इस हमले के पीछे का उद्देश्य अभी स्पष्ट नहीं हो सका है और मामले की जांच जारी है। मध्य प्रदेश के जबलपुर में अपराधियों की हिम्मत दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। एक दिल दहला देने वाली घटना में बेखौफ बदमाशों ने एक युवक को क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए तालिबानी सजा दी। युवक की बेरहमी से पिटाई की गई और इस अमानवीय कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

'मेरा नुकसान होगा, परिवार को खतरा, बच्चे स्कूल नहीं जा रहे'

बीजेपी से इस्तीफे के बाद टी राजा सिंह का बड़ा बयान

हैदराबाद (एजेंसी)। बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद कट्टर हिंदुवादी नेता टी राजा सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, ÷पार्टी से दूर होकर मुझे व्यक्तिगत रूप से नुकसान होगा क्योंकि मेरे ऊपर कई मामले बने हुए हैं। मुझे आए दिन मारने की धमकियां आती हैं। मेरे बच्चों की पढ़ाई स्कूल-कॉलेजों में नहीं हो रही बल्कि घर पर ट्यूशन से हो रही है। मेरे परिवार को भी खतरा है। मेरे विरोधी भी इसलिए थोड़ा डरते रहे क्योंकि मेरे पीछे एक बड़ी पार्टी खड़ी है लेकिन मजबूरी में पार्टी को डूबते नहीं देख सकता हूं, इसलिए इस्तीफा देने को तैयार हो गया।÷

टी राजा सिंह ने कहा, %पार्टी से नाराजगी नहीं है लेकिन जिस तरह के व्यक्ति को राज्य अध्यक्ष बनाया है, उससे भी व्यक्तिगत मतभेद नहीं हैं लेकिन उनसे पार्टी का भविष्य जरूर खतरे में है। पार्टी को डूबते नहीं देख सकता हूं।%

टी राजा ने कहा, %पार्टी से बाहर जाकर, पार्टी का, पीएम मोदी, अमित भाई और योगी जी का प्रचार करूंगा। देश, धर्म और गौरक्षा के लिए जान देने के लिए तैयार हूं। पार्टी का विरोधी बिल्कुल नहीं हूं।%

दरअसल बीजेपी ने तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष पद पर रामचन्दर राव के नाम पर मुहर लगा दी है। वह पेशे से वकील भी हैं और पूर्व एमएलसी रह चुके हैं। लेकिन राजा सिंह का मानना है कि वो वकालत तो कर सकते हैं, सौम्य व्यक्ति भी हैं लेकिन पार्टी को सत्ता में लेकर आ सकें, ऐसा दमदार व्यक्तित्व नहीं है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लगा बड़ा झटका!

वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की सीबीआई करेगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को एक बड़ा झटका लगा है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश दिया है। अब तक सीबीआई को इस घोटाले से संबंधित खास अनियमितताओं की ही जांच की इजाजत थी, लेकिन हाई कोर्ट ने अब पूरे मामले की व्यापक जांच का आदेश दिया है।

कोर्ट ने इस मामले की जांच कर रही एसआईटी को जांच के सभी रिकॉर्ड सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया है। इससे जांच का दायरा बढ़ गया है। सीबीआई की जांच में कई सारी खामियां निकल कर सामने आएंगी। जून में प्रवर्तन निदेशालय) ने कथित वाल्मीकि घोटाले से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में बल्लारी से कांग्रेस सांसद ई तुकाराम और कर्नाटक के तीन विधायकों से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की थी। बता दें कि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाला 2024 में कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से जुड़ा एक बड़ा

वित्तीय घोटाला है। यह घोटाला तब सामने आया जब निगम के अधीक्षक चंद्रशेखरन पी. ने आत्महत्या कर ली थी। अधिकारी ने अपने सुसाइड नोट में भ्रष्टाचार और कई अधिकारियों की संलिप्तता का खुलासा किया था।

कांग्रेस विधायक को विधानसभा से किया गया निलंबित

विपक्ष ने किया वॉकआउट

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र में कांग्रेस विधायक नाना पटोले को विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप चढ़ने को लेकर मंगलवार को विधानसभा से दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया है। प्रश्नकाल के तुरंत बाद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष पटोले ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बबनराव लोनीकर और कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया और दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वह विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप पहुंच गए और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर से बहस करते देखे गए। इसके बाद सदन की कार्यवाही पांच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई।

सदन की कार्यवाही पुनः शुरू होने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पटोले की आलोचना की और कहा कि कांग्रेस नेता

विधानसभा अध्यक्ष की ओर आक्रामक तरीके से बढ़े थे, जो सही नहीं है और उनसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। उन्होंने कहा कि पटोले को माफी मांगनी चाहिए। हालांकि, पटोले फिर से विधानसभा अध्यक्ष के आसन के समीप चढ़ गए तथा लोनिकर और कोकाटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि वह पटोले को पूरे दिन के लिए सदन से निलंबित कर रहे हैं। लोनिकर ने हाल में जालना जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र परतुर में किसानों की एक सभा में कहा था कि ''जो लोग उनकी पार्टी और सरकार की आलोचना करते हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि उन्हें कपड़े, जूते, मोबाइल, योजनाओं का मौद्रिक लाभ और बुवाई के लिए पैसे हमारी वजह से मिल रहे हैं।÷

विपक्षी दलों ने सदन से किया वॉकआउट

इस फैसले के विरोध में विपक्ष के सभी दलों ने विधानसभा का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट किया। इसे लेकर महाराष्ट्र विधानसभा सीएलपी और कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, ÷उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

'गरीब की लुगाई, पूरे शहर की भौजाई, यही हाल है हमारा'

भोपाल (एजेंसी)। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, %यह हमारी समझ से परे है। गांव की कहावत है कि गरीब की लुगाई, पूरे शहर की भौजाई, यही हाल हमारा है। सीधा साधा जानकर हमें इस तरीके से लोग कहते हैं, हनुमान जी की इच्छा होगी। साधु के पास कुछ होता नहीं, हमें अपनी औकात पता है। साधु समाज से लेता है, समाज को सौंप देता है, यह बुराई नहीं है।%

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, %हमने देश को व्यसन मुक्त करने के लिए, संस्कारवान बनने के लिए एकता के लिए प्रेरित किया, उसके लिए हमें गालिया मिलीं। लोग हमें दक्षिणा देते हैं तो हम उसे सदुपयोग में लगा देते हैं। हमने मदिरालय नहीं खोला। हमने देश को गुटका के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। मदिरा पीने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया। धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, %खटकने वालों को खटकेगा, अस्पताल न बनाने से बेहतर होगा, बनाना। किसी से ईंट लेंगे, किसी से सीमेंट, सरिया, दवाइयां और किसी से मेडिसिन, मशीनों की व्यवस्था लेंगे। हमें लगता है कि हम जो काम कर रहे हैं, भला कर रहे हैं। इसलिए लोग बोल रहे हैं। हम बहुत ज्यादा उन पर ध्यान नहीं देते।

उच्च शिक्षा सुधार की दिशा में ऐतिहासिक पहल

भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा प्रणाली को राष्ट्रीय और वैश्विक मानकों पर पुनर्गठित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा अनुसार 'सर्वोच्च परामर्शदायी समिति' के गठन के आदेश जारी किए गए हैं। यह समिति उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्य करेगी, यह पहल 'कर्मयोगी बनें' कार्यक्रम की अनुक्रमिक कड़ी है।

समिति के अध्यक्ष उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार और सदस्य सचिव; अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन नामित किए गए हैं। समिति में डॉ. के. राधाकृष्णन चेयरमेन, बोर्ड ऑफ गवर्नेंस, आईआईटी कानपुर, प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे चेयरमेन, बेंगलुरु, प्रो. संतिश्री धूलिपुडी पंडित कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, प्रो. आर. बालासुब्रमण्यम सदस्य , कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन, मिशन कर्मयोगी, भारत सरकार, प्रो. भरत भास्कर, निदेशक, आईआईएम अहमदाबाद, प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, यूजीसी, भारत सरकार, डॉ. विक्रांत सिंह तोमर वैश्विक शिक्षाविद व ग्लोबल कन्वीनर यूनाइटेड कांशसनेस, प्रो. गोविंदन रंगराजन निदेशक, आईआईएससी, बेंगलुरु सदस्य नामित किए गए हैं एवं अपर मुख्य सचिव राजभवन श्री के.सी. गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव विशेष आमंत्रित सदस्य नामित हैं। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के विज़न में मध्यप्रदेश के योगदान देने की दिशा में यह 'सर्वोच्च परामर्शदायी समिति' सशक्त आधार प्रदान करेगी। 'सर्वोच्च परामर्शदायी समिति' 'कर्मयोगी बनें' कार्यक्रम से प्राप्त विचारों का विश्लेषण कर ऐसी नीतियाँ सुझायेगी, जिससे एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का विकास हो जो विद्यार्थियों को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि कर्तव्यनिष्ठ, नवाचारशील और राष्ट्रसेवक नागरिक बनाए, जो भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में सक्रिय भागीदार बन सकें। समिति के सदस्यगणों का योगदान, मध्यप्रदेश की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने में अत्यंत प्रभावी होगा।

नगरीय प्रशासन विभाग में प्रमोशन की प्रक्रिया शुरू

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय प्रशासन विभाग में प्रमोशन प्रक्रिया के तहत 25 जुलाई को विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक आयोजित की जायेगी। इससे पहले 4 जुलाई को नगर निगम, नगरपालिका और नगर परिषद स्तर पर वरिष्ठता सूची तैयार की जायेगी। प्रदेश में 22 जुलाई को वरिष्ठता सूची प्रकाशित की जायेगी, जिसके आधार पर 25 जुलाई को अंतिम प्रमोशन बैठक आयोजित की जायेगी। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे ने संबंधित कार्यालयों को आदेश जारी कर प्रमोशन प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिये हैं।

ऊर्जा विभाग में विभिन्न श्रेणियों के रिक्त पदों के लिये आवेदन आंमत्रित

भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि ऊर्जा विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में विभिन्न श्रेणियों के 633 रिक्त पदों पर भर्ती के लिये योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आंमत्रित किये गये हैं। रिक्त पदों में सहायक अभियंता, विधि अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता, ट्रांसमिशन लाइन परिचारक, उपकेन्द्र परिचारक, सर्वेयर परिचारक के पद शामिल हैं। इन पदों के लिये ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 04 अगस्त 2025 है। रिक्त पदों में द्वितीय श्रेणी के सहायक अभियंता (पारेषण) के 63 पद, विधि अधिकारी के 01, कनिष्ठ अभियंता पारेषण के 247, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) के 12, ट्रांसमिशन लाइन परिचारक के 67, उपकेन्द्र परिचारक के 229 एवं सर्वेयर परिचारक के 14 पद शामिल हैं।

भर्ती प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी एम.पी. ट्रांसको की अधिकृत वेबसाइट अथवा एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

पर्यटकों के लिए मॉन्यूमेंट गुरु है गाइड- प्रमुख सचिव शुला

भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा है कि पर्यटन स्थलों पर गाइड पर्यटकों के मॉन्यूमेंट गुरु होते हैं। पर्यटन स्थल के बारे में जितनी जानकारी गाइड देते हैं उतना ही पर्यटक जान पाते हैं। इसलिए गाइड द्वारा किया पर्यटकों को प्रामाणिक और शोध की गई जानकारी दी जानी आवश्यक है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी में गाइड उन्मुखीकरण और कौशल विकास कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने गाइड्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि टूरिस्ट गाइड रेटिंग सिस्टम के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले गाइड को आगामी वर्ष से पुरस्कार स्वरूप क्रमशः 2 लाख रुपये, 1 लाख रुपये एवं 50 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए गाइड विभिन्न भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करें और मधुर व्यवहार रखें। प्रेरक के रूप में कार्य करते हुए पर्यटकों को स्वच्छता के लिए प्रेरित भी करें। पर्यटन स्थल की जानकारी के साथ प्रदेश की उपलब्धियों और विशेषताओं की जानकारी दें। आसपास के पर्यटन स्थलों से पर्यटकों को

अवगत कराएं। इससे मध्यप्रदेश के प्रति पर्यटकों में रुचि बढ़ेगी और वह फिर से पर्यटन के लिए मध्यप्रदेश आयेंगे। सभी गाइड किसी भी पर्यटक के लिए केयर टेकर की भूमिका निभाएं, इससे निश्चित ही पर्यटक सुखद और अविस्मरणीय अनुभव अपने साथ ले जाएंगे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि आगामी समय में गाइड की संख्या में वृद्धि किए जाने के साथ गाइड को दी जाने वाली सुविधाओं में वृद्धि की जायेगी। साथ ही उनके कौशल को निखारने के लिए तकनीक आधारित वर्कशॉप और ऑनलाइन सेशन लिए जायेगे। अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स, पर्यटन विभाग और पर्यटकों के बीच ब्रिज के रूप में कार्य करते हैं। वे ही प्रदेश और देश के गौरवशाली इतिहास को पर्यटकों से साझा करते हैं। उनकी कुशलता से ही आगंतुकों को हमारी समृद्ध परंपराओं और संस्कृति का ज्ञान होता है। मध्यप्रदेश में वर्तमान में 72 गाइड अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जल्द ही 313 पदों पर गाइड की भर्ती शुरू की जाएगी। सुश्री मुखर्जी ने कहा कि गाइड्स की दक्षता को बढ़ाने के लिए आगे भी कार्यशालाएं आयोजित जाएगी। गाइड्स को अलगङ्गअलग भाषाओं के ज्ञान के साथ ही तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा हैं।

आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के रीजनल डायरेक्टर श्री भुवन विक्रम सिंह ने कहा कि गाइड्स स्थानीय संस्कृति के परिचायक हैं। वे पर्यटकों के दिग्दर्शक हैं, जो उनकी यात्रा को अविस्मरणीय बनाते हैं। भारतीय संस्कृति से विश्व भर के पर्यटकों को अवगत कराते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कार्यरत लाइसेंसधारी राज्य स्तरीय एवं स्थानीय गाइड्स के प्रशिक्षण, कार्यकुशलता में वृद्धि एवं व्यवहारिक दक्षता को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राज्य पुरातत्व संग्रहालय एवं अभिलेखागार भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम, ढ्ढङ्घज्ञरू ग्वालियर एवं विषय विशेषज्ञों के सहयोग से किया जा रहा है। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न सत्रों में पर्यटन स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रस्तुतिकरण कौशल, नई तकनीक, पर्यटकों के साथ संवाद शैली तथा पर्यटन संबंधी विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है।

अनिल कुमार बने स्पेशल डीजी, सागर कमिश्नर हुए रिटायर

भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी अनिल कुमार को स्पेशल डीजी के पद पर प्रमोट किया है। उधर सागर संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत के रिटायरमेंट के बाद कमिश्रर का पद रिक्त हो गया है। जीएडी ने इस पद पर किसी अधिकारी की पोस्टिंग के आदेश जारी नहीं किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच चर्चा के बाद ही आदेश जारी किए जाएंगे। गृह विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अनिल कुमार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महिला सुरक्षा और पुलिस कल्याण (अतिरिक्त प्रभार) अनिल कुमार को स्पेशल डीजी के पद पर प्रमोट किया गया है। उनकी पदस्थापना स्पेशल डीजी

महिला सुरक्षा पुलिस मुख्यालय और अतिरिक्त प्रभार कल्याण पुलिस मुख्यालय के रूप में की गई है। एक माह के लिए स्पेशल डीजी बनाए गए जीपी सिंह के रिटायरमेंट के बाद अनिल कुमार को यह प्रमोशन मिला है। सिंह सोमवार को रिटायर हो गए हैं। इसके साथ ही 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी राजाबाबू सिंह को उनके वर्तमान काम के साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शिकायत पुलिस मुख्यालय के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।दूसरी ओर आईएएस अधिकारी वीरेंद्र सिंह रावत सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए।

फील्ड अधिकारियों को दिन में एक बार हाजिरी लगानी होगी

भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मैदानी अधिकारियों के लिए सैल्फी अटेंडेंस को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब फील्ड अधिकारियों जिनमें जे.ई. एवं उससे ऊपर के अधिकारी शामिल हैं, को दो बार उपस्थिति दर्ज करने के स्थान पर दिन में कार्यालयीन समय में एक बार उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

कंपनी ने कहा है कि निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की बढ़ती चुनौतियों एवं कार्य आवश्यकताओं को देखते हुए यह पाया गया है कि फील्ड अधिकारी अक्सर रखरखाव, विद्युत आपूर्ति और अधोसंरचना संबंधी कार्यों के लिए मैदानी भ्रमण पर रहते हैं, जिससे वे उपस्थिति समय-सारणी का पालन नहीं कर पाते हैं। ऐसे में फील्ड कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये और अधिकारियों की मैदानी आवश्यकता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस (ओएंडएम), एसटीएम/एसटीसी/, सतर्कता, बीआई सेल तथा सिविल विभागों में फील्ड ड्यूटी पर तैनात कनिष्ठ अभियंता (जेई) एवं उससे ऊपर के अधिकारियों को 'अटेंडेंस पोर्टल 2.0' पर दो बार सैल्फी उपस्थिति दर्ज करने की अनिवार्यता से छूट प्रदान की जाए।

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि फील्ड ड्यूटी पर लगे जे.ई. एवं उससे ऊपर के फील्ड अधिकारी किसी भी सुविधाजनक समय पर केवल एक बार उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। हालांकि कॉर्पोरेट कार्यालय में पदस्थ अधिकारी या फील्ड इकाइयों में केवल कार्यालयीन कार्य कर रहे अधिकारी, पूर्ववत दो बार उपस्थिति दर्ज करने की प्रणाली का पालन पूर्ववत- करते रहेंगे। अन्य सभी कर्मचारियों, जिनमें आउटसोर्स कर्मचारी भी शामिल हैं, पर प्रचलित उपस्थिति प्रणाली प्रात: 10ञ्00 बजे तक पंच-इन तथा शाम 6ञ्00 बजे तक पंच-आउट करेंगे। कार्यावधि 8 घंटे की लागू रहेगी।

कंपनी ने कहा है कि यह छूट केवल फील्ड गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिए है तथा यह सुविधा कार्मिकों के कार्यस्थल पर उपस्थित रहने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं करती। यह व्यवस्था पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 01 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह की अध्यक्षता में हुई सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की मंथन बैठक

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों की 'मंथन बैठक' हुई। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मध्यप्रदेश की सहकारिता से जुड़ी उपलब्धियों, नवाचारों और सहकारिता के क्षेत्र में भविष्य की दिशा पर केंद्र सरकार को सुझाव दिये।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल, सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि मध्यप्रदेश में प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) को बहुद्देशीय इकाइयों के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार को उल्लेखनीय सफलता मिली है।

इस पहल के अंतर्गत प्रदेश में प्रत्येक पैक्स को उनके संचालन के लिये वार्षिक 3 लाख 24 हजार रुपये की वित्तीय सहायता तथा जनजातीय क्षेत्रों में 3 लाख 48 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई पैक्स की स्थापना और उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा अनुदान प्रदान किया जाए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता आधारित सेवाओं का विस्तार और सशक्तीकरण संभव हो सके।

महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए रेलवे कर रहा है व्यवस्था

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल रेल मंडल से गुजरने वाली केरल, कर्नाटक, आंध्र, तमिलनाडु, जीटी एक्सप्रेस सहित 18 ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगाए जाएंगे। इनके अलावा अमरकंटक, कुशीनगर, अमृतसर, मालवा झेलम कामायनी सचखंड हावड़ा एक्सप्रेस आदि में भी यह इंतजाम इस साल के अंत तक किए जाने की उम्मीद है। रेलवे ने खास तौर पर महिला यात्रियों की सुरक्षा को लेकर यह कदम उठाने का निर्णय लिया है। बड़ी बात यह भी है कि रेल मंत्रालय द्वारा सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की शुरुआत की जा रही है। रेल मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में जारी वित्त वर्ष के

दौरान 10 हजार से ज्यादा कोचों में कैमरे लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं विभिन्न रेलवे कोच फैक्ट्री में अब बनने वाले हर कोच में सीसीटीवी कैमरा के अलावा पैनिक बटन लगाना भी आवश्यक कर दिया गया है। पैनिक बटन का सबसे बड़ा फायदा यह भी होगा कि यह ट्रेन चल रहे लोको पायलट और सुरक्षा बल के दस्ते को कोई भी इमरजेंसी आने पर तत्काल अलर्ट कर देगा।

बताया जाता है कि ट्रेनों के विभिन्न श्रेणी के कोचों में लगने वाले सभी कैमरे एचडी क्वालिटी के होंगे। इनमें कम से कम एक महीने की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जा सकेगी। एसी श्रेणी के अलावा सबसे ज्यादा फोकस महिला यात्री कोच, स्लीपर और जनरल कोचों पर रहेगा। इन्हीं कोचों में घटनाएं होने की आशंका अधिक रहती है। 2 साल में सभी ट्रेनञ रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने जो प्लानिंग तैयार की है उसके तहत अगले 2 सालों के दौरान सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के कोच में सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगा दिए जाएं। इस बात का ध्यान रखा जाएगा की सभी कैमरे आरपीएफ कंट्रोल रूम से सीधे जोड़े जाएंगे। इससे निगरानी और कार्रवाई तत्काल की जा सकेगी। फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजीञ वर्तमान में री डिवेलपमेंट के बाद तैयार किया जा रहे सभी अमृत भारत स्टेशनों पर फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी और क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम की व्यवस्था भी की जा रही है।

पोषण ट्रेकर ऐप का प्रशिक्षण निचले अमले को अवश्य दें, अधिकारी करें मॉनिटरिंग : मंत्री भूरिया

भोपाल (एजेंसी)। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रदेश में पोषण ट्रेकर एप के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्रों पर पंजीकृत बच्चों के शारीरिक माप (ऊंचाई, वजन एवं आयु के अनुपात में पोषण स्थिति) से संबंधित आंकड़ों का सतत विश्लेषण किया जा रहा है। इन आकड़ों के आधार पर राज्य में पोषण स्तर में सुधार के लिए त्वरित एवं क्षेत्र विशेष की आवश्यकता अनुसार कार्ययोजना बनाई जा रही है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप न केवल बच्चों के शारीरिक माप बल्कि बच्चों के कुपोषण की स्थिति में बोनापन, कम वजन की पहचान में भी सहायक है। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि निचले स्तर के अमले इस ऐप का उपयोग सही तरीके से कर रहे है अथवा नहीं। इसके लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, सुपरवाइजर सभी को तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि निरंतर मॉनिटरिंग करने से त्रुटि को पकड़ा जा सकेगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जिस तरह झाबुआ जिले में %मोटी आई% के कन्सेप्ट से कुपोषण में कमी हुई है। इसी तरह अधिकारियों को नवाचार करना चाहिए। हर बच्चे का रिकार्ड रखें, उनकी निगरानी करें और अधिक कमजोर बच्चों को चिकित्सीय सहयोग उपलब्ध कराएं। अपर मुख्य सचिव महिला बाल विकास श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने कहा कि पोषण ट्रेकर ऐप के आँकड़े और वास्तविक आँकड़ों मे फर्क इसलिए दिखता है क्योंकि हम सही मॉनिटरिंग नहीं कर रहे है। हर स्तर पर डेटा की मॉनिटरिंग होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पहला राज्य है जहॉ बालिकाओं के लिए लाड़ली लक्ष्मी योजना शुरू कि गई, महिलाओं को हर महीने लाड़ली बहना के तहत निश्चित राशि अंतरित की जा रही है, पर इस बात की मॉनिटरिंग भी होनी चाहिए कि महिलाएं इस राशि का उपयोग कर अपने बच्चों के पोषण पर ध्यान रख रही है अथवा नहीं। अपर मुख्य सचिव श्रीमती शमी ने कहा कि यह कार्यशाला डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप एक डेटा-ड्रिवन अप्रोच के द्वारा प्रदेश के बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने और उन्हें सुपोषण की ओर ले जाने मे महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारूकी वली ने कहा कि कुपोषण एक बड़ी समस्या है जिसके अनेक कारण है। जिस क्षेत्र मे कुपोषण के आँकडे बड़े हुए है, वहां पर संबंधित अधिकारी को हर स्तर पर इसकी जाँच करना होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी को एनआरसी की पूरी जानकारी होना चाहिए।

प्रमुख अभियंता की तथ्यात्मक रिपोर्ट में शिकायत पाई गई निराधार

भोपाल (एजेंसी)। प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री संजय कुमार अंधवान ने जल जीवन मिशन के संबंध में प्राप्त शिकायत का परीक्षण कर बताया कि शिकायतकर्ता श्री किशोर समरीते द्वारा लगाए गए सभी आरोप तथ्यहीन, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण हैं। शिकायत में कोई भी साक्ष्य संलग्न नहीं किए गए थे, बल्कि सूचना के अधिकार के तहत विभागीय अधिकारी द्वारा पूर्व में भेजे गए पत्र को ही आधार बनाया गया। प्रमुख अभियंता ने स्पष्ट किया कि बालाघाट खंड के कार्यपालन यंत्री द्वारा स्वयं शिकायतकर्ता को यह जानकारी दी गई थी कि जल जीवन मिशन अंतर्गत किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई है। इसके बावजूद उन्हीं जानकारियों को तोड़-मरोड़कर सार्वजनिक शिकायत के रूप में प्रस्तुत किया गया जिसमें कोई नया तथ्य या प्रमाण नहीं है।प्रमुख अभियंता कार्यालय ने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन की योजनाओं का क्रियान्वयन फील्ड स्तर पर किया जाता है तथा भुगतान भी स्थानीय खंड कार्यालय द्वारा माप पुस्तिका के सत्यापन के उपरांत होता है। ऐसे में प्रमुख अभियंता या उनके कार्यालय के कर्मचारी पर आरोप लगाना निरर्थक है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके पर भी जो आरोप लगाए गए हैं वे पूर्णत: असंगत हैं। मुख्य अभियंता (मैकेनिकल संकाय) द्वारा कोई निविदा जारी नहीं की जाती, अत: उन पर लगाए गए किसी भी प्रकार के आरोप तथ्यों से परे हैं। प्रमुख अभियंता ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत अब तक मध्यप्रदेश के 70 प्रतिशत से अधिक परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है और शेष कार्य प्रगति पर हैं। योजनाओं की पूर्णता के उपरांत ही भारत सरकार को उपयोगिता प्रमाण पत्र भेजे जाते हैं। जिसकी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और नियंत्रित है।

समृद्ध भारत की शिक्षित पहचान, कौशल विकास - मंत्री टेटवाल

भोपाल (एजेंसी)। कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में सीमेंस कम्पनी के सीएसआर फण्ड से निर्मित अत्याधुनिक लैब का उद्घाटन किया। इस दौरान जॉइंट डारेक्टर सुनील कुमार ललावत, चेयरमैन राजेश गर्ग, विधायक श्री अनिल जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मे विद्यार्थी जीवन मैं आईटीआई करके भविष्य निर्माण के बारे में सोचता था, आज सभी के बीच आकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि आईटीआई के माध्यम से छात्र-छात्राओं को सभी अत्याधुनिक ट्रेड के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। जिससे विद्यार्थी स्वरोजगार स्थापित कर, समर्थ भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आईटीआई के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। समृद्ध भारत की शिक्षित पहचान के तहत सभी छात्र-छात्राओं को सशक्त बनाने के लिए आईटीआई के माध्यम से प्रयोगशालाओं का निर्माण कर उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस में त्रिदिवसीय दीक्षारंभ समारोह का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मंगलवार 1 जुलाई को प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में त्रि-दिवसीय दीक्षारंभ समारोह की शुरुआत प्राचार्य डॉ. राम नारायण स्वर्णकार की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना के साथ की गई। समारोह में सर्वप्रथम नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय परिवार ने तिलक लगाकर तथा करतल ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम के संचालक विनोद कुमार साकेत विभागाध्यक्ष हिंदी ने कार्यक्रम की भूमिका तैयार करते हुए बताया कि छात्र छात्राओं का विद्यालय से महाविद्यालय में आगमन के साथ ही एक संक्रमण काल प्रारंभ हो जाता है। विद्यालय की तुलना में यहां स्वतंत्रता अधिक होती है जिसका नकारात्मक एवं सकारात्मक उपयोग स्वयं छात्र छात्राओं पर निर्भर होता है इसलिए इस काल में छात्र छात्राओं को प्रत्येक कदम बड़े सावधानी के साथ बढ़ाना चाहिए।

दीक्षारंभ समारोह के संयोजक डॉ. रावेद्र बहादुर सिंह ने समारोह की रूपरेखा से तथा इसके उद्देश्यों से परिचित कराया। स्वशासी प्रकोष्ठ के नियंत्रक डॉ. प्रभाकर सिंह ने महाविद्यालय के स्वशासी प्रकोष्ठ की भूमिका, परीक्षा संरचना तथा पाठ्यक्रम आदि की सारगर्भित जानकारी प्रदान की। प्रवेश समिति के नोडल डॉ. अरविंद कुमार त्रिपाठी ने ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया उसमें आने वाली कठिनाइयां उनके समाधान पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराते हुए छात्र छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के. एस. नेताम ने विभागाध्यक्ष के प्रतिनिधि के रूप में विभागों एवं विभागाध्यक्षों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी के साथ साथ बस सेवा की जानकारी प्रदान की। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिंह ने अपने उद्बोधन को आध्यात्म एवं योग से जोड़ते हुए संदेश दिया की महाविद्यालयीन वातावरण के नैतिक होने पर ही शैक्षणिक सार्थकता हासिल हो सकेगी। कार्य स्थल पर महिला यौन उत्पीड़न समिति की संयोजक डॉ. अरुण सिंह ने सभी छात्राओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप मन लगाकर के पढ़ाई करें आपकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है, महाविद्यालय की है किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. राम नारायण स्वर्णकार ने कहा कि भारत में गुरु शिष्य परंपरा सुदीर्घकालिक रही है जिसके कारण ही अपना देश विश्व गुरु की उपाधि से सम्मानित हुआ है आप सभी उस परंपरा को अनवरत जारी रखें।

समारोह के प्रथम दिन के समापन में डॉ. दिलीप कुमार सोनी विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र ने सभी का आभार प्रदर्शन किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एसटीआर में घुसा 11 हाथियों का झुंड,वन विभाग ने ग्रामीणों को किया अलर्ट; छग सीमा से हुआ प्रवेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मंगलवार सुबह 6:32 बजे 11 जंगली हाथियों का झुंड देखा गया। हाथियों को परिक्षेत्र पोंड़ी, बीट-डोमापाठ उत्तर, आरएफ-307 के अंतर्गत ताली चन्नी में विचरण करते देखा गया। यह दल छत्तीसगढ़ सीमा से जिले में प्रवेश कर चुका है। वन विभाग ने ग्रामीणों को हाथियों के मूवमेंट वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। पिछले एक वर्ष में यह हाथी दल आठ लोगों की जान ले चुका है। इस दौरान लगभग 40 मकानों को नुकसान पहुंचाया और वहां रखा अनाज नष्ट किया।

हाथियों पर रख रहे नजर: वन मंडल अधिकारी राजेश कन्ना टी ने बताया है कि यह दल छत्तीसगढ़ सीमा से नियमित रूप से आता-जाता रहता है। हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। मूवमेंट होते ही व्हाट्सएप ग्रुप, मुंडी और अन्य माध्यमों से स्थानीय लोगों को सूचित किया जाता है। वन विभाग लोगों को हाथियों से बचाव के तरीके बता रहा है। विभाग की कोशिश है कि हाथी रिहायशी इलाकों की तरफ न बढ़ें। ग्रामीणों से कहा गया है कि वे सतर्क रहें और किसी भी हलचल की सूचना तुरंत वन विभाग को दें।

एबीवीपी ने बैढ़न थाने का किया घेराव, सीएसपी ने लिया ज्ञापन

कॉलेज के बाहर छेड़छाड़ और अतिक्रमण की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज के छात्रों और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने बैढ़न थाने का घेराव किया। कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी से मिलने की मांग की और नारेबाजी की। नगर पुलिस अधीक्षक पीएस परस्ते मौके पर पहुंचे। उन्होंने एबीवीपी कार्यकर्ताओं की मांगें सुनीं और ज्ञापन स्वीकार किया। छात्र नेता पंकज ने बताया कि कॉलेज के आसपास कई समस्याएं हैं।

कॉलेज मोड़ से कॉलेज तक का रास्ता अतिक्रमण से प्रभावित है। इससे जाम की स्थिति बनती है। एबीवीपी का कहना है कि कॉलेज के आसपास आवारा तत्व घूमते रहते हैं। ये लोग छात्राओं पर अभद्र टिप्पणी करते हैं। कई बार शिकायत की गई, लेकिन पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। नगर पुलिस अधीक्षक ने छात्रों की सभी मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है।

इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2025-26 के ऑन-लाइन आईडिया अपलोड का पोर्टल प्रारम्भ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार की इंस्पायर अवार्ड मानक योजनान्तर्गत विद्यार्थियों के ऐसे मौलिक विचार जो समाज की समस्याओं का समाधान कर सकें और इसके अलावा घरेलू और मजदूरों के श्रम को कम करने के उपाय तथा उनकी कार्य क्षमता को बढाने के साथ साथ सेवाओं को भी आसान करने की अभिनव राह तैयार कर सकें। विद्यार्थियों के मौलिक विचारों को भारत सरकार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ऑनलाईन आमंत्रित किया जाता है। भारत सरकार द्वारा विद्यालयों के कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक के स्कूली बच्चों के नवाचारी मौलिक विचार को ऑनलाइन प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

कौन पात्र होगे: एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना में शासकीय, अनुदान प्राप्त, अशासकीय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त जिले में संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत 10 से 18 वर्ष की आयु वर्ग और कक्षा 6वीं से 12वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के आइडिया को शामिल किया जाना है। योजनान्तर्गत वर्ष 2025-26 के लिए समस्त विद्यालयों के नामांकन एवं प्रति विद्यालय पांच विद्यार्थियों के आइडिया ऑनलाइन चाहे गयें है।

दस हजार रूपये अवार्ड राशि प्राप्त होगी: आइडिया की नवीनता, वर्तमान परिस्थितियों के समाधान में उपयोगिता, सामजिक व्यवहारिकता में उपयोगिता, वर्तमान सरकार की योजनाओ में प्रासांगिकता, प्रसार का दायरा एवं लागत की प्रभावशीलता को ध्यान में रखतें हुए विद्यार्थियो के मौलिक विचार अपलोड किये जायेगे। चयनित सभी विद्यार्थियों को अवार्ड की राशि रूपये 10 हजार सीधे उनके खातों में भेजी जायेगी।जिला शिक्षा अधिकारी सीधी पवन कुमार सिंह ने जिले के समस्त प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक को अपने विद्यालय से अच्छे आईडिया अपलोड करने हेतु पत्र जारी किया है।

बाजार भाव से खाद्यान्न खरीदकर उपभोक्ताओ को वितरण करने कलेक्टर ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 की कण्डिका 18 में दिये गए निर्देश की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न इत्यादि के सुरक्षित रख रखाव के लिये समिति प्रबंधक एवं शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओ की जिम्मेदार होती है तथा शासकीय उचित मूल्य दुकानों के संग्रहित खाद्यान्न इत्यादि की चोरी होने पर सम्पूर्ण जवाबदारी समिति प्रबंधक एवं विक्रेताओं की मानी जावेगी तथा खुर्दवुर्द स्कंध की वसूली बाजार दर से की जाकर उक्त सामग्री की पूर्ति उपभोक्ताओं को वितरण करने को आदेशित किया गया है।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश अनुसार शासकीय उचित मूल्य दुकान धनखोरी की शिकायत की जाँच कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सीधी एवं सहकारिता निरीक्षक/ प्रशासक द्वारा संयुक्त रूप की गई, जिसमें विक्रेता की लापरवाही से खाद्यान्न 84.27 क्विं. चावल एवं 18.73 क्विं. गेहूँ का अपयोजन किया जाना पाया गया है। उक्त को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा लालबहादुर सिंह विक्रेता शासकीय उचित मूल्य दुकान धनखोरी को आदेशित किया गया है कि 84.27 क्विं. चावल एवं 18.73 क्विं. गेहूँ बाजार भाव से खरीदकर उपभोक्ताओ को वितरण करे। समिति प्रबंधक, समिति से संलग्न शासकीय उचित मूल्य दुकानों का खाद्यान्न की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें।

भारी वाहनों के लिए नया नो-एंट्री शेड्यूल लागू

सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, वैकल्पिक रास्ते बनाए गए

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में आज मंगलवार से भारी वाहनों के लिए नया नो एंट्री शेड्यूल लागू हो गया है। नए नियम के मुताबिक शहर में भारी वाहनों की एंट्री सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा।

बैढन और माजन की ओर से आने वाले वाहन इंदिरा चौक पर रुकेंगे: वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। बरगमा से बैढ़न और विंध्य नगर जाने वाले वाहनों को तेलाई मोड़ पर रोका जाएगा। जयंत क्षेत्र से निगाही, नवानगर और माजन चौक की ओर जाने वाले वाहनों को जयंत तिराहे पर रुकना होगा। बैढन और माजन की ओर से आने वाले वाहन इंदिरा चौक पर, जबकि विंध्यनगर और माजन की ओर जाने वाले वाहन गनियारी क्षेत्र में रुकेंगे।

वाहनों की मैक्सिमम 20 किलोमीटर प्रति घंटा होगी: बघोरा के पावर प्लांट को कलेक्टर ने खास निर्देश दिए गए हैं। परसोना से प्लांट तक कोयला सप्लाई और राख के परिवहन के लिए वाहन 10-10 के समूह में चलेंगे। इन वाहनों की अधिकतम गति 20 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। साथ ही एक पायलट वाहन भी चलेगा। कंपनी को स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में हुई बैठक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्व-सहायता समूह कार्यकर्ता संघ, जिला रीवा ने सेंट्रल किचन व्यवस्था के खिलाफ भारी आक्रोश जताते हुए मंगलवार को भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में एक आकस्मिक बैठक का आयोजन किया। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री विकास शुक्ला, बीड़ी मजदूर महासंघ के प्रदेश महामंत्री राम सुशील चौरसिया, कांट्रेक्शन मजदूर महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल साकेत, रामशरण साकेत, पंचू लाल साकेत, संतोष विश्वकर्मा, रामकुमार पटेल सहित आजीविका मिशन और बीआरसी के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।बैठक में स्व-सहायता समूहों की समस्याओं पर सार्थक चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में सेंट्रल किचन शुरू होने से स्व-सहायता समूह बंद हो गए हैं, और अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी यही प्रक्रिया लागू की जा रही है। आशंका जताई गई कि निकट भविष्य में ग्रामीण और नगर पंचायत क्षेत्रों के समूह भी बंद किए जा सकते हैं, जिससे कार्यकर्ताओं की आजीविका पर संकट मंडरा रहा है। इस मुद्दे पर कार्यकर्ताओं में गहरा आक्रोश देखा गया।बैठक में सैकड़ों स्व-सहायता समूह कार्यकर्ता उपस्थित रहे और उन्होंने सेंट्रल किचन व्यवस्था को समूहों की आत्मनिर्भरता के लिए खतरा बताया।

त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन (उत्तरार्द्ध) 2023 हेतु म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग के ज्ञाप 26 जुलाई द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम घोषित किया गया है कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत निर्वाचन) स्वरोचिष सोमवंशी ने आदेश जारी कर उक्त निर्वाचन को सम्पन्न कराये जाने हेतु जनपद पंचायतों के लिये रिटर्निंग आफीसर/सहायक रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया है।

जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत सीधी अंतर्गत धनखोरी, खिरखोरी, डिहुली, टीकटखुर्द, सारोकला, कुर्वाह के लिए राकेश कुमार शुक्ला प्रभारी तहसलीदार गोपद बनास को रिटर्निंग आफिसर, डॉ. सुदामा प्रसाद कोल नायब तहसीलदार गो.ब. को सहायक रिटर्निंग आफिसर, जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत मेढ़ौली, भितरी के लिए चन्द्रप्रकाश त्रिवेदी प्रभारी तहसीलदार बहरी को रिटर्निंग आफिसर, इन्द्रभान सिंह ना. तह. तहसीलदार बहरी को सहायक रिटर्निंग आफिसर, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के लिए नितिन कुमार झोड़ तहसीलदार रामपुर नैकिन को रिटर्निंग आफिसर एवं जयप्रकाश पाण्डेय प्रभारी नायब तहसीलदार रामपुर नैकिन को सहायक रिटर्निंग आफिसर नियुक्त किया गया हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया है कि म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये निर्वाचन कार्यक्रम एवं निर्देशों के अनुसार निर्वाचन कार्य निर्विघ्न रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु रिटर्निंग आफिसर पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

कोटवार चिट्ठी लिखता रहा, अधिकारियों ने नहीं सुनी

नतीजा- गोदाम में बारिश का पानी घुसा,पड़खुरी गांव में 8 क्विंटल गेहूं-चावल हुआ खराब

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के पड़खुरी गांव में सरकारी राशन गोदाम की खस्ता हालत ने गरीबों के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे हुई तेज बारिश के कारण जर्जर गोदाम में पानी घुस गया। इससे वहां रखा करीब 8 क्विंटल गेहूं और चावल पूरी तरह भीग गया। यह अनाज अब खाने लायक नहीं रह गया है। कोटेदार राजेंद्र कुशवाहा ने बताया कि उन्होंने गोदाम की मरम्मत के लिए कई बार अधिकारियों को पत्र लिखा। ग्राम सरपंच को भी इस समस्या से अवगत कराया। लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। ग्रामीण रामभजन ने कहा कि गरीबों का राशन इस तरह बर्बाद हो रहा है। यह बहुत दुखद स्थिति है।

चुरहट के एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने कहा कि उन्हें मामले की जानकारी मिली है। वे पूरे प्रकरण की जांच करेंगे। भवन की मरम्मत और अन्य जरूरी कार्यों को करवाया जाएगा।

वनकर्मी का शव फंदे पर मिला; जेब में मिला 3 पेज का सुसाइड नोट, लिखा- बीमारी और अफसरों की प्रताड़ना से परेशान था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में वन विभाग के स्थाई कर्मचारी राम सजीवन कुशवाहा ने मंगलवार को आत्महत्या कर ली। उनका शव जिला न्यायालय के पीछे वन विभाग क्वार्टर के पास एक पेड़ से लटकता मिला।

मृतक की जेब से मिले तीन पन्नों के सुसाइड नोट में बीमारी, पारिवारिक तनाव और अफसरों की प्रताड़ना को आत्महत्या का कारण बताया गया है। नोट में उन्होंने लिखा कि सीने में दर्द और पेशाब में जलन से परेशान थे। बेटी को ससुराल में परेशान किया जा रहा था। कर्ज का ब्याज नहीं चुका पा रहे थे। जेडी साहब लगातार परेशान कर रहे थे।

परिजनों का कहना है कि राम सजीवन की पोस्टिंग मझौली में थी। उन्हें सीधी अटैच कर दिया गया। बीमार होने पर छुट्टी नहीं दी गई। अनुपस्थित रहने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया। पत्नी सुमित्रा कुशवाहा ने बताया कि बीमारी और नौकरी का दबाव उन्हें परेशान कर रहा था।

डीएफओ राजेश कन्ना टी का कहना है कि राम सजीवन बिना सूचना के पांच दिन ड्यूटी से नदारद थे। इसलिए कारण बताओ पत्र जारी किया गया। उनके अनुसार आत्महत्या की वजह पारिवारिक तनाव हो सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुसाइड नोट में लगाए गए आरोपों की जांच की मांग की जा रही है।

कलेक्ट्रेट में किया गया राष्ट्र गान एवं राष्ट्रगीत का गायन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जुलाई माह के कार्य का आगाज राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के गायन के साथ कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर में संपन्न हुआ। इस मौके पर विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 167 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 167 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

ई-अटेंडेंस के विरोध में शिक्षकों का विशाल धरना-प्रदर्शन, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शिक्षा विभाग द्वारा लागू की गई ई-अटेंडेंस प्रणाली के खिलाफ रविवार को सतना और मैहर जिले के सैकड़ों शिक्षकों ने राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले सिविल लाइन चौपाटी पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने एक स्वर में ऐलान किया कि वे किसी भी हाल में सार्थक ऐप पर अटेंडेंस दर्ज नहीं करेंगे। प्रदर्शन के बाद शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने तहसीलदार राजेश सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।राज्य शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष और जिला अध्यक्ष शैलेंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित इस धरने में शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस को अव्यावहारिक और शिक्षकों को परेशान करने वाला कदम बताया। श्री त्रिपाठी ने कहा, "प्रदेश का शिक्षक समुदाय पूरी लगन और निष्ठा के साथ स्कूल शिक्षा को राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने में जुटा है, लेकिन सरकार इस तुगलकी फरमान के जरिए हमारी कर्तव्यनिष्ठा पर सवाल उठा रही है। यह आदेश किसी भी सूरत में लागू नहीं होगा।" उन्होंने शिक्षकों से एकजुट होकर इस व्यवस्था का विरोध करने और अधिकारियों की तानाशाही को खत्म करने का आह्वान किया। श्री त्रिपाठी ने यह भी बताया कि पूर्व में भी इस तरह के आदेश जारी हुए थे, लेकिन शिक्षकों की एकता के कारण उन्हें रद्द करना पड़ा। धरने में मैहर जिला अध्यक्ष संतोष शुक्ला, संयोजक राजा भैया त्रिपाठी, जिला सचिव जे.पी. पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रकांत द्विवेदी, अभिषेक सिंह, मानव शुक्ला, गणेश शंकर सरावगी, पीयूष तिवारी, आभा तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने शिक्षकों को संबोधित किया।

विचार

अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर से सुलगते सवालों के बीच अरविंद केजरीवाल दिल्ली दंगल में फिर कूदे

देश की राजधानी और दिलवालों के शहर दिल्ली की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर से उपजते सवालों के बीच प्रमुख विपक्षी पार्टी आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल भी अपने सुलगते आरोपों के साथ कूद पड़े हैं। इससे सत्ताधारी भाजपा की सियासी मुश्किलें बढ़नी स्वाभाविक हैं, जिससे बचने के लिए उसके नेता दलील दे रहे हैं कि कोर्ट के आदेशों के दृष्टिगत यह कार्रवाई चल रही है। लिहाजा इसमें भाजपा का कोई हाथ नहीं है। जबकि दिल्ली के दंगल में कूदे अरविंद केजरीवाल अपने पुराने बयानों का हवाला देते हुए याद दिला रहे हैं कि चुनाव से पहले ही उन्होंने झुग्गियों पर होने वाली संभावित कार्रवाई के बारे में लोगों को आगाह कर दिया हूँ और अब उनका साथ मिला तो दिल्ली सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई उनकी पार्टी लड़ेगी। इसलिए चर्चा है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से यहां के सियासी दंगल में कूद पड़े हैं। प्राय: उसी अंदाज में, जैसा कि वो चुनाव से पहले दिखाया करते थे। ऐसे में सवाल है कि आखरि ऐसी क्या वजह रही कि उन्हें खुद ही मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह आदि के रहते हुए भी उन्हें किसी सेनानायक की तरह खुद ही सियासी मैदान में उतरना पड़ा। जबकि दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद वो पंजाब का रुख कर चुके थे। वहीं, पंजाब व गुजरात विधानसभा उपचुनाव की जीत ने भी उन्हें उत्साहित किया है। बताया जाता है कि भारतीय राजनीति में किसी भी चतुर नेता की सियासी मौत नहीं होती है, बल्कि ब्रेक के बाद उसके फिर से उभरने के चांसेज बने रहते हैं। बशर्ते कि उसे मुद्दे की समझ हो और जनसंघर्ष की ललक। ये दोनों चीजें केजरीवाल में कूट कूट कर भरी हैं। यही वजह है कि दल्लिी विधानसभा चुनाव के हारने के कई महीनों बाद अरविंद केजरीवाल एक बार फरि पूरी रौ में दिखे और दिल्ली सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक पर फरि उसी तरह से अटैक कयिा, जैसे वो पहले किया करते थे। इसलिए लोगों के जेहन में यह सवाल कुरेद रहा है कि आखरि ऐसा क्या हुआ कि केजरीवाल को दल्लिी के मैदान पर उतरना पड़ा, जबकि दल्लिी में शकिस्त के बाद उन्होंने पंजाब में डेरा डाल दिया था। इस बीच कुछ घटनाएं भी हुईं, लेकिन वे दल्लिी आने से बचे। इससे लोग कयास लगा रहे हैं कि शायद वो गम्भीरता पूर्वक दिल्ली में वापसी का रास्ता और मुद्दे दोनों तलाश रहे थे, जो दल्लिी की अवैध झुग्गियों पर चले बुलडोजर ने उन्हें दे दिया। क्योंकि ये लोग ही तो उनके कोर वोटर्स रहे हैं। यही वजह है कि जब उनके कोर वोटर्स के अवैध झुग्गियों पर बुलडोजर चला तो अरविंद केजरीवाल अपनी पूरी टीम के साथ पुन: दिल्ली दाखिल हो लिए और यहां के सियासी दंगल में जोरदार पलटवार के अंदाज में उतर गए। अपनी सोची समझी रणनीति के मुताबिक वो पहले दिल्ली सरकार, उसके बाद केंद्र सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने झुग्गी वासियों को याद दिलाते हुए कहा कि, 'चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुग्गियां तोड़ देंगे। आज वही हो रहा है। ये सारी झुग्गियां तोड़ने का इरादा लेकर आए हैं।' इससे स्पष्ट है कि केजरीवाल का मकसद साफ है कि अब दल्लिी में दो-दो हाथ करने हेतु वो फरि से उतर गए हैं। ऐसे में सवाल फिर वही कि आखरि ऐसा क्या हुआ कि केजरीवाल को फरि दिल्ली के दंगल में उतरने का मौका मिल गया आखिर झुग्गियों पर बुलडोजर चला तो केजरीवाल को क्यों चुभा जिससे वो फरि से दिल्ली के सियासी दंगल में उतरने को मजबूर हुए। समझा जाता है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने यहां पर वो कार्ड चल दिया जो केजरीवाल के लिए मुसीबत बन सकता था। क्योंकि अगर वे इस वक्त नहीं बोलते, तो यहां की झुग्गियों का एक बड़ा वर्ग उनसे छूट जाता। इसलिए केजरीवाल ने कहा भी है कि, दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं, यदि ये इकट्ठे हो गए तो किसी की औकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए। राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि यह सारा खेल इन 40 लाख लोगों यानी वोटर्स का है, जिसके चलते अरविंद केजरीवाल पुन: अपना सियासी मैदान पाने और बचाने, दोनों के लिए एक सोची समझी रणनीति के तहत पुन: मैदान में कूदे हैं। इस प्रकार यदि विधानसभा चुनावों के आंकड़े देखें तो 2015 में आम आदमी पार्टी यानी आप को स्लम वोट में लगभग 66प्रतिशत मिला था। वहीं, सीएसडीएस के सर्वे के मुताबिक, 2020 में आम आदमी पार्टी को 61प्रतिशत वोट यहां मिले। लेकिन 2025 में यह आंकड़ा बदलता दिखा। सियासी कोढ़ में खाज यह कि सबसे ज्यादा स्लम वाली 10 सीटों में 7 बीजेपी को मिल गईं, जो आपके हार की वजह बनी। लेकिन बीजेपी ने उनसे जो गद्दारी की है, उसका सियासी मजा तो वे तब चखाएंगे, जब पुन: यहां पर कोई चुनाव होंगे। बताते चलें कि दिल्ली में 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं, जहां लगभग तीन लाख परिवार रहते हैं। ये कॉलोनियां यहां की कुल 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 62 विधानसभा क्षेत्रों में फैली हुई हैं। खास बात यह कि इन विधानसभा क्षेत्रों में तकरीबन 40 फीसदी वोटर झुग्गी झोपड़ियों वाले हैं, जो किसी भी चुनाव में जीत हार तय करने की स्थर्ति में होते हैं। कुछ यही वजह है कि केजरीवाल समझते हैं कि अगर इन्हें छोड़ दयिा तो दिल्ली का चुनाव आगे जीतना मुश्कलि हो जाएगा।

भारत की आर्थिक प्रगति में अब तो ईश्वर भी सहयोग कर रहा है

कुछ दिनों पूर्व भारत में दो विशेष घटनाएं हुईं, परंतु देश के मीडिया में उनका पर्याप्त वर्णन होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। प्रथम, भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के क्षेत्र में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का पता लगा है, कहा जा रहा है कि कच्चे तेल का यह भंडार इतनी भारी मात्रा में है कि भारत, कच्चे तेल सबंधी, न केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाएगा बल्कि कच्चे तेल का निर्यात करने की स्थिति में भी आ जाएगा। यदि भारत को कच्चे तेल की उपलधि पर्याप्त मात्रा में हो जाती है तो इसका प्रसंस्करण कर, डीजल एवं पेट्रोल के रूप में, पूरी दुनिया की खपत को पूरा करने की क्षमता को भी भारत विकसित कर सकता है।

भारत में विश्व की सबसे बड़ी रिफाइनरी गुजरात के जामनगर में पूर्व में ही स्थापित है। अत: कच्चे तेल के साथ साथ डीजल एवं पेट्रोल का भी भारत सबसे बड़ा निर्यातक देश बन सकता है। जैसा कि दावा किया जा रहा है, यदि यह दावा सच्चाई के धरातल पर खरा उतरता है तो आगे आने वाले समय में भारत का विश्व में पुन: सोने की चिड़िया बनना लगभग तय है। भारत आज पूरे विश्व में कच्चे तेल का चीन एवं अमेरिका के बाद सबसे बड़ा आयातक देश है और विदेशी व्यापार के अंतर्गत भी कच्चे तेल के आयात पर ही सबसे अधिक विदेशी मुद्रा खर्च हो रही है। कच्चे तेल का उत्पादन यदि भारत में ही होने लगता है तो न केवल इसके आयात पर होने वाले भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा के खर्च को बचाया जा सकेगा बल्कि पेट्रोल एवं डीजल के निर्यात से विदेशी मुद्रा का भारी मात्रा में अर्जन भी किया जा सकेगा। जिसके कारण, भारत में विदेशी मुद्रा के भंडार में अतुलनीय बचत एवं संचय होता हुआ दिखाई देगा और इस प्रकार भारत विश्व में विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा संचयक देश बन सकता है।

वर्तमान में भारत कच्चे तेल की अपनी कुल आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा लगभग 42 देशों से प्रतिवर्ष आयात करता है। भारत कच्चे तेल की अपनी कुल खरीद का 46 प्रतिशत हिस्सा पश्चिम एशिया के देशों से आयात करता है। वर्तमान में भारत द्वारा कच्चे तेल एवं गैस के आयात पर 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि खर्च प्रतिवर्ष किया जा रहा है। भारत सरकार के पेट्रोलीयम मंत्री श्री हरदीपसिंह जी पुरी ने जानकारी प्रदान की है कि अंडमान एवं निकोबार के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस का बहुत बड़ा भंडार मिला है। एक अनुमान के अनुसार यह भंडार 12 अरब बैरल (2 लाख करोड़ लीटर) का हो सकता है जो हाल ही में गुयाना में मिले कच्चे तेल के भंडार जितना ही बड़ा है। गुयाना में 11.6 अरब बैरल कच्चे तेल एवं गैस के भंडार पाए गए है। इस भंडार के बाद गुयाना कच्चे तेल के उत्पादन के मामले में विश्व में शीर्ष स्थान पर पहुंच सकता है जबकि अभी गुयाना का विश्व में 17वां स्थान है।

वर्ष 1947 में प्राप्त हुई राजनैतिक स्वतंत्रता के बाद के लगभग 70 वर्षों तक भारत की समुद्री सीमा की क्षमता का उपयोग करने का गम्भीर प्रयास किया ही नहीं गया था। हाल ही में भारत सरकार द्वारा इस संदर्भ में किए गए प्रयास सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्री क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के भारी मात्रा में जो भंडार मिले हैं उनका अन्वेषण का कार्य समाप्त हो चुका है एवं अब ड्रिलिंग का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। ड्रिलिंग का कार्य समाप्त होने के बाद कच्चे तेल एवं गैस के भंडारण का सही आंकलन पूर्ण कर लिया जाएगा। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में आधारभूत संरचना का विकास भी बहुत तेज गति से किया जा रहा है। इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र के समुद्रीय इलाकों से भी भारी मात्रा में कच्चा तेल निकाला जा रहा है तथा भारत का अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह भी इंडोनेशिया से कुछ ही दूरी पर स्थित है। इसके कारण यह आंकलन किया जा रहा है कि अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के समुद्रीय क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के अपार भंडार मौजूद हो सकते है। हर्ष का विषय यह भी है कि इस क्षेत्र में कच्चे तेल एवं गैस के साथ साथ अन्य दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल/मेटल) के भारी मात्रा में मिलने की सम्भावना भी व्यक्त की जा रही है। भारी मात्रा में मिलने जा रहे कच्चे तेल के चलते भारत अपनी परिष्करण क्षमता को बढ़ाने पर विचार कर रहा है। चूंकि चीन ने कुछ दुर्लभ भौतिक खनिज पदार्थों का भारत को निर्यात करना बंद कर दिया है अत: भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में इन पदार्थों का मिलना भारत के लिए बहुत बड़ी खुशखबर है। पूर्व में भी भारत में कच्चे तेल एवं गैस के भंडार का पता चला था, जैसे बॉम्बे हाई, काकीनाड़ा, बलिया एवं समस्तिपुर, आदि। इन समस्त स्थानों पर कच्चे तेल को निकालने के संबंच में आवश्यक कार्य प्रारम्भ हो चुका है। दरअसल, इस कार्य में पूंजीगत खर्च बहुत अधिक मात्रा में होता है। जापान, रूस एवं अमेरिका से तकनीकी सहायता प्राप्त करने के लिए इन देशों की बड़ी कम्पनियों के साथ करार करने के प्रयास भी भारत सरकार द्वारा किए जा रहे हैं। भारत का समुद्रीय क्षेत्र 5 लाख किलोमीटर का है। इसी प्रकार, पश्चिम बंगाल के समुद्रीय इलाके में भी खोज जारी है एवं इस क्षेत्र में भी कच्चे तेल एवं गैस के भंडार मिलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। अंडमान एवं निकोबार क्षेत्र में कच्चे तेल का उत्पादन प्रारम्भ होने के पश्चात आगामी लगभग 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल के आयात की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

द्वितीय शुभ समाचार यह प्राप्त हुआ है कि भारत के कर्नाटक राज्य में कोलार क्षेत्र में स्थित अपनी सोने की खदानों में भारत एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के सम्बंध में विचार कर रहा है। कोलार गोल्ड फील्ड (चत्रस्त्र) को वर्ष 2001 में खनन की दृष्टि से बंद कर दिया गया था। परंतु, अब 25 वर्ष पश्चात स्वर्ण की इन खदानों में खनन की प्रक्रिया को पुन: प्रारम्भ किए जाने के प्रयास किए जा रहे है। इस संदर्भ में कर्नाटक सरकार ने भी अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है। आज पूरे विश्व में सोने की कीमतें आसमान छूते हुए दिखाई दे रही है और विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने सोने के भंडार में वृद्धि करते हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अमेरिकी डॉलर पर इन देशों का विश्वास कुछ कम होता जा रहा है। बहुत सम्भव है कि आगे आने वाले समय में अमेरिकी डॉलर के बाद एक बार पुन: स्वर्ण मुद्राएं ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले व्यापार के भुगतान का माध्यम बनें। ऐसे समय में भारत के कोलार क्षेत्र में स्थित स्वर्ण की खदानों में एक बार पुन: खनन की प्रक्रिया को प्रारम्भ करना एक अति महत्वपूर्ण निर्णय कहा जा सकता है। कोलार स्थित स्वर्ण की इन खदानों में 750 किलोग्राम स्वर्ण की प्राप्ति की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। प्राचीन काल में कोलार गोल्ड फील्ड को गोल्डन सिटी आफ इंडिया कहा जाता था।

प्राचीन काल में में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास 25,000 से 26,000 टन स्वर्ण का भंडार है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत की महिलाओं के पास स्वर्ण का जितना भंडार है लगभग उतना ही भंडार पूरे विश्व में अन्य देशों के पास है। अर्थात, पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण का आधा भाग भारतीय महिलाओं के पास आज भी उपलब्ध है। ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत में स्थापित अपनी सत्ता के खंडकाल के दौरान लगभग 900 टन स्वर्ण, कोलार की खदानों से निकालकर, ब्रिटेन लेकर जाया गया था। भारत की केंद्रीय बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक, के पास आज 880 टन स्वर्ण के भंडार हैं, जो कि भारत के 69,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का 12 प्रतिशत हिस्सा है।

इटावा कथावाचक विवाद पर राजनीति ठीक नहीं

उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में कथाकार की जाति पूछकर किए गए अमानवीय कृत्य से पूरा देश शर्मसार है। जहां पर %जाति न पूछिए साधु की पूछ लीजिए ज्ञान% की बात कही जाती हो उस देश में इस प्रकार की घटना हिन्दू समाज के माथे पर कलंक है। विचार के आधार पर यदि आचरण नहीं है तो हमारी तत्व निष्ठा व्यर्थ है। अगर सभी संतानें ईश्वर की हैं तो ऊंच नीचता की भावना नहीं होनी चाहिए।

21 जून को इटावा जिले में बकेवर थाना क्षेत्र के दादरपुर गांव मे कथा कहने गये कथावाचक मुकुट मणि यादव, सहायक आचार्य संत सिंह यादव व ढ़ोलक वादक श्यामवीर सिंह कठेरिया की बर्बरता पूर्वक पिटाई करने के बाद जबरन शिखा काटी गयी व सिर मुंडवाया गया। शिखा काटने के बाद मुख्य यजमान की पत्नी के पैरों पर नाक रगड़कर माफी मंगवाई गयी। ढ़ोलक वादक श्यामवीर सिंह कठेरिया दोनों आंखों से सूर है उसको भी मारा पीटा गया, ढ़ोलक छीन ली गयी और गंजा किया गया उस बेचारे का क्या कसूर था। कहा गया कि पंडितों के गांव में कथा कहने की हिम्मत कैसे की। निर्लज्जता की हद तो तब हो गयी जब एक महिला का मूत्र कथाकार मण्डली में शामिल लोगों के ऊपर छिड़का गया। इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। सोचकर देखों उस समय उन लोगों के दिल पर क्या बीती होगी जो कई सालों से गांव-गांव जाकर लोगों को कथा सुनाकर धर्म का प्रचार कर रहा हो। उसके साथ इस प्रकार की अभद्रता कि मानवता भी सरमा जाय। इस प्रकार का अमानवीय कृत्य तो मुगल आक्रान्ता ही करते थे। शिखा,जनेऊ व तिलक से उन्हें ही चिढ़ होती थी। कथावाचक की शिखा औरंगजेब की ही औलादें काट सकती हैं। हिन्दू धर्म में शिखा रखने का बहुत ही महत्व है। हमारे पूर्वजों ने शिखा तिलक व जनेऊ की रक्षा के लिए अनेकों बलिदान दिए हैं।

इस घटना से यादव व अनुसूचित समाज आक्रोशित है। समाज की भलाई चाहने वाले व्यथित हैं वहीं राजनीतिज्ञ लोगों की भावनाएं उभारकर आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। क्योंकि उन्हें बैठे-बैठे समाज को बांटने का मुद्दा मिल गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीड़ितों के घाव पर मरहम लगाने का

काम किया। घटना के दूसरे दिन उन्हें सपा कार्यालय बुलाकर कथाकार की पूरी मण्डली को सम्मानित किया और 21-21 हजार रूपये भेंट किया। 50-50 हजार रूपये और देने की घोषणा की। इस बीच कुछ लोग दोषियों को बचाने की फिराक में जुट गए। महिला से कथावाचक पर छेड़खानी का आरोप लगवाकर भुक्तभोगी के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। यह आरोप किसी के गले नहीं उतर रहा है। अगर उसने छेड़खानी की तो मुंडन करने, मारपीट करने और पेशाब छिड़कने का अधिकार किसने दे दिया। अगर छेड़खान की होती तो उसे बैठाकर उसकी जाति बिरादरी की पड़ताल नहीं की जाती। निश्चित ही यह आरोपियों को बचाने का तरीका है।

इस घटना को यादव बनाम पंडित का रूप दिया जा रहा है जो सरासर गलत है। एक समस्या के पटाक्षेप के लिए दूसरी मनगढ़ंत कहानी गढ़ना कहां तक उचित है। इससे दलित व ब्राहमणों के बीच खाई गहरी हो रही है। हिन्दू समाज में फूट डालने व जातीय संघर्ष को बढ़ावा देने वाला है। इस प्रकार के कृत्य करने वाले पण्डित हो ही नहीं सकते। सोशल मीडिया पर इस कृत्य की निन्दा हो रही है। वहीं कुछ लोग लाठियां लहराते हुए अपना आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। प्रदर्शन भी हो रहे हैं। यह एक व्यक्ति या एक जाति का अपमान नहीं बल्कि सनातन का अपमान है। सनातन की सांस्कृतिक एकता पर आघात किया गया है।

वैसे भी अनुसूचित समाज ने कथा व भागवत का आयोजन करना लगभग बंद ही कर दिया है। ओबीसी समाज से जुड़ी मौर्य व पाल समेत कई जातियां में भी इस प्रकार के आयोजन बहुत कम हो गए हैं। यह सब जातियां बुद्ध की अनुगामी बन रही हैं। ऐसे ही होता रहा तो समाज का एक बड़ा वर्ग हमसे अलग हो जायेगा।

हमारे पूर्वजों ने कठोर साधना व तपस्या कर समरस समाज रचना का निर्माण किया। कैसे हमें रहना है समाज में कैसे आचरण करना है यह परिवार में हमें सीखने को मिलता है।

भीष्म पितामह धर्मराज युधिष्ठिर से कहते हैं कि सबको एक सूत्र में पिरोने वाला धर्म ही है। जो सबको आपस में जोड़ता है वही धर्म है।

सर्वपंथ समादर का भाव हिन्दू चिंतन की विशेषता है। पूजा पद्धति के आधार पर भी भेदभाव नहीं करना चाहिए। धर्म का संरक्षण करने वाले मौन क्यों? ऐसा तो है नहीं कि ब्राह्मण क्षत्रिय व वैश्यों का भगवान पर अधिक अधिकार है और यादव, मौर्या, पाल व चमार पासी का अधिकार कम है।

हिन्दुत्व का अभिमान रखते हैं। राम व कृष्ण के प्रति उनके मन में भी अगाध श्रद्धा है। पिछड़े व अनुसूचित समाज में बड़ी संख्या में संत महापुरुष पैदा हुए हैं जिन्होंने सामाजिक एकता के लिए अपना संपूर्ण जीवन लगाया। बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर ने अगस्त 1927 में अंबा देवी मंदिर अमरावती में प्रवेश सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि हिन्दुत्व जितनी स्पृश्यों की संपत्ति है, उतनी ही अस्पृयों की भी। हिन्दुत्व की प्राण प्रतिष्ठा वशिष्ठ जैसे ब्राहामणों ने, कृष्ण जैसे क्षत्रियों ने हर्ष जैसे वैश्यों ने तथा तुकाराम जैसे शूद्रों ने की है।

काशी विद्वत परिषद ने कहा है 'जो शास्त्रों को जानते है, भक्ति भाव, सत्यनिष्ठ, ज्ञानवान और जानकार है उन्हें कथा कहने का अधिकार है। इसमें जाति भेद नही है, क्योंकि जो ज्ञानी है वही, पंडित या ब्राह्मण कहलाने का अधिकारी है। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारीलाल शर्मा ने कहा कि कथावाचक कौन होगा, इसके लिए शास्त्रों में जाति के आधार पर भेद नही है। योग्यता है तो कोई भी कर सकता है।

इटावा की घटना के साथ हिन्दू समाज का मान सम्मान और स्वाभिमान जुड़ा है। इस कृत्य से सम्पूर्ण हिन्दू समाज कलंकित हुआ है।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने मूंगफली बीज का नि:शुल्क वितरण किया गया शुरू

एमसीबी। जिले में तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल) के तहत उन्नत किस्म की मूंगफली बीज का नि:शुल्क वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। इस योजना के अंतर्गत चिन्हांकित कृषकों को वैज्ञानिक विधियों से तैयार किए गए उच्च गुणवत्ता वाले बीज प्रदान किए जा रहे हैं ताकि क्षेत्र में तिलहन उत्पादन को नई गति मिल सके। इसी क्रम में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत बुंदेली एवं ग्राम पंचायत चिरईपानी में 29 जून को बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा (भगत बाबू), जनपद सदस्य सुरेंद्र सिंह मरकाम, रमाशंकर सिंह, ग्राम पंचायतों के सरपंचगण, अन्य जनप्रतिनिधि एवं कृषि विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कृषकों को धान के साथ-साथ दलहन और तिलहन फसलों की खेती करने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे कृषि क्षेत्र में विविधता आए और किसान आत्मनिर्भर बन सकें। इस योजना के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों को निःशुल्क बीज प्रदान किया जा रहा है, जिससे तिलहन की खेती के प्रति रुझान बढ़ेगा और क्षेत्रफल में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।

प्राचार्यों के प्रमोशन पर रोक हटी

हाईकोर्ट ने माना राज्य शासन की प्रमोशन नीति सही, पदोन्नति के खिलाफ दायर याचिकाएं खारिज

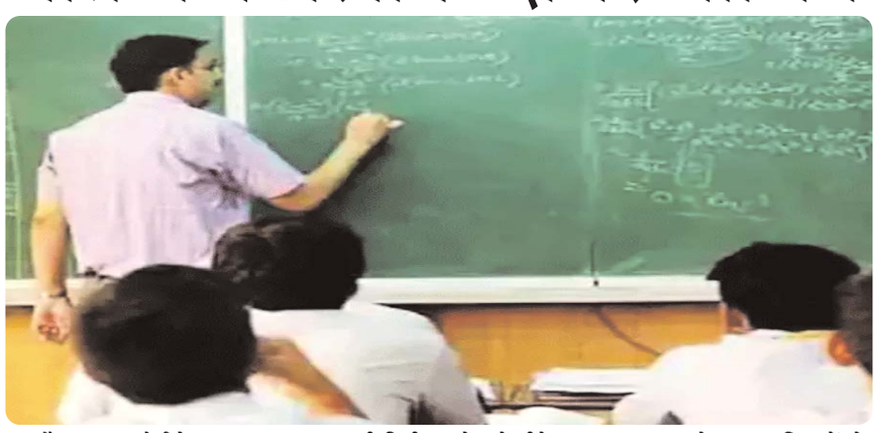

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में प्राचार्यों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने प्रमोशन आदेश जारी होने के बाद पोस्टिंग पर लगी रोक हटा दी है। डिवीजन बेंच ने राज्य शासन की प्रमोशन नीति को सही ठहराते हुए इस मामले में दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। बता दें कि करीब 15 दिन पहले जस्टिस रजनी दुबे की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिस पर आज मंगलवार को आदेश जारी किया गया है।

हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई थी: दरअसल, प्राचार्य पदोन्नति फोरम के साथ ही प्रमोशन को लेकर हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई थी। इसमें बताया गया है कि, पहले कोर्ट के आदेश के बावजूद कई शिक्षकों को प्राचार्य पद पर प्रमोशन देकर ज्वॉइन करा दिया गया है। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि, यह न्यायालय की अवमानना का मामला है। शुरुआती सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने आगामी आदेश तक की गई सभी ज्वॉइनिंग को अमान्य कर दिया था।

बीएड की अनिवार्यता को दी थी चुनौती: इस मामले की सुनवाई जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच में बीते 11 जून से 16 जून तक लगातार हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने अपनी बहस पूरी करते हुए बीएड डिग्री को प्राचार्य पद के लिए अनिवार्य बताया। इसके अलावा, उन्होंने माध्यमिक स्कूलों के प्रधान पाठकों से लेक्चरर बने शिक्षकों की वरिष्ठता का मुद्दा भी उठाया।

शासन ने कहा- नियमों के अनुसार दी पदोन्नति: हाईकोर्ट में चल रही याचिकाओं में एक मामला साल 2019 से जुड़ा हुआ है, जबकि अन्य याचिकाएं 2025 में बीएड और डीएलएड योग्यता से संबंधित हैं। इस दौरान राज्य सरकार की तरफ से कहा गया कि प्रमोशन नियम को लेकर सभी कैटेगरी के शिक्षकों के हितों का ध्यान रखा गया है। इसमें कोई गड़बड़ी नहीं की गई है।

स्टे हटने के बाद तत्काल पोस्टिंग दे राज्य सरकार: इधर, शिक्षक साझा मंच के प्रदेश संचालक संजय शर्मा ने कहा कि व्याख्याता संवर्ग के शिक्षकों को अपने हक के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। शिक्षा विभाग ने 30 अप्रैल को प्राचार्य पदोन्नति की सूची जारी की थी, जिस पर 1 मई को हाईकोर्ट ने स्थगन आदेश जारी कर दिया। इस दौरान याचिकाकर्ताओं के साथ ही शिक्षक संघ और शासन ने पक्ष रखा।

संजय शर्मा ने कहा कि अब हाईकोर्ट का फैसला आ गया है। जिसमें स्थगन आदेश को हटाकर सभी याचिकाएं खारिज की गई है। ऐसे में अब जारी प्रमोशन सूची के आधार पर राज्य सरकार तत्काल प्राचार्यों की पोस्टिंग आदेश जारी करे। ताकि, शिक्षा सत्र शुरू होते ही प्रदेश के 3500 स्कूलों में प्राचार्यों की नियुक्ति हो सके।

कलेक्टर ने आमजनों की सुनी समस्याएं, गंभीरतापूर्वक निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीण जन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी-बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में कुल 29 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदक सरिता निवासी मंगोरा आंगनबाड़ी सहायिका में नियमों के विपरित नियुक्ति करने के संबंध में, देवकली निवासी नागपुर स्वत्व भुगतान के संबंध में, मुख्तार निवासी डोमनापारा भूमि के संबंध में, कमलेश्वर सारथी निवासी चिरमिरी आत्मादाह के लिए बाध्य होने के संबंध में, विजेन्द्र सिंह, मुन्नी बाई, केवल सिंह निवासी बाही सचिव को अविलम्ब हटाये जाने के संबंध में, रघुनाथ निवासी बोरीडांड भूमि के संबंध में, धरम दास निवासी पोड़ी आगे की शिक्षा प्राप्त करने हेतु अनुमति के संबंध में, राहुल गायकवाड़ निवासी कमलडांड शासकीय आवागमन रास्ते को क्षतिग्रस्त करने के संबंध में, हिरदन सिंह निवासी धवलपुर पट्टा निरस्त करने के संबंध में, रामनरेश तिवारी वेतन वृद्धि स्वीकृत करने के संबंध में, तारामणी निवासी उजियारपुर पीएम आवास का अंतिम किस्त प्रदान करने के संबंध में, रामबाई निवासी जामपारा पीएम आवास की राशि में गड़बड़ी करने के संबंध में, अर्चना निवासी साल्ही नामांतरण के संबंध में, सीताशरण निवासी उजियारपुर आवारा पशुओं को सुरक्षित करने के संबंध में, उदय सिंह निवासी महाई भूमि के संबंध में, यशोदा निवासी फुनगा भूमि के संबंध में, अदिति यादव निवासी मनेन्द्रगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नियुक्ति के देरी के संबंध में, अंजु उर्मलिया निवासी खोंगापानी स्वच्छता व्यवस्था की घोर उपेक्षा के संबंध में, अजीजा खातून निवासी मनेन्द्रगढ़ भूमि के संबंध में, बुद्धिराम नाहक, सुखराम निवासी भुकभुकी भूमि के संबंध में, शुभम फ्लाई एस आर्बटित प्लाट में अतिक्रमण कर्ता के विरूद्ध कार्यवाही न करते हुए अभिन्यास पुनरीक्षण के संबंध में, अनुपा राय निवासी पेन्ड्री भूमि के संबंध में, द्वारिका सिंह निवासी धवलपुर भूमि के संबंध में, दूजेराम कुर्रे निवासी मनवारी राशन वितरण में गड़बड़ी करने के संबध में अपना शिकायत लेकर आये थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

अवैध प्लाटिंग की रजिस्ट्री पर रोक, जर्जर स्कूलों में कक्षाएं बंद करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। अनियंत्रित विकास को रोकने के लिए कलेक्टर संजय अग्रवाल ने अवैध प्लाटिंग की रजिस्ट्री पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। 1 जुलाई मंगलवार को कलेक्टोरेट में हुई साप्ताहिक टीएल बैठक में यह निर्णय लिया गया। कलेक्टर ने जर्जर स्कूल भवनों में कक्षाएं न लगाने के आदेश दिए हैं। उन्होंने ऐसे भवनों की तुरंत सूची मांगी है। मरम्मत के लिए राशि आवंटित की जाएगी। 5 जुलाई को होने वाले सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। 'एक पेड़, मां के नाम' अभियान के तहत बड़े आकार के पौधे लगाए जाएंगे। बिरकोना और राजकिशोर नगर में करीब 12 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष पहल की गई है। उन्हें प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए क्लस्टर आधारित शिविर लगेंगे। हर क्लस्टर 40-50 ग्राम पंचायतों को कवर करेगा। समाज कल्याण विभाग, जनपद पंचायत और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस कार्य को पूरा करेंगे।

हिट एंड रन केस जल्द निबटाएं: कलेक्टर ने आरबीसी 6-4 तथा हिट एंड रन केस के तहत लंबित मामलों को जल्द निपटाने कहा। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन दुर्घटना में व्यक्ति की मौत होने पर 2 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। ऐसे सभी प्रकरणों को स्वीकृति के लिए जल्द भेजे जाएं।

लर्निंग लाइसेंस बनाने शिविर लगाएं: कलेक्टर ने आरटीओ को कॉलेजों के साथ समन्वय बनाकर लर्निंग लाईसेंस बनाने शिविर लगाने कहा है। निजी और सरकारी सभी तरह के कॉलेजों में ये शिविर लगने चाहिए। उन्होंने आवारा पशुओं के प्रबंधन को लेकर भी अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित सभी विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का किया गया सघन निरीक्षण

निरीक्षण कर कई दुकानों से खाद्य सामग्रियों के विधिक नमूने भेजे गए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं नियम 2011 के तहत जिले में अपमिश्रित खाद्य पदार्थों की रोकथाम हेतु नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ दीपक कुमार अग्रवाल एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सह पदेन उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिले में डॉ. अविनाश खरे के निर्देशानुसार समस्त खाद्य प्रतिष्ठानों का सतत एवं सघन निरीक्षण किया जा रहा है। इस अभियान के तहत वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों से विधिक एवं सर्विलांस नमूने संकलित किए गए। चिरमिरी स्थित मेसर्स अरविन्द इंटरप्राइजेज से विस्क फार्म हेयलो बटर कुकीज एवं अमूल ताजा होमोजिनाइज्ड टोन्ड मिल्क, मेसर्स एन एच 43 ग्रॉसरी, चिरमिरी रोड नागपुर से लाल गुलाब दलिया, तथा मेसर्स महेन्द्रा एजेंसी फव्वारा चौक मनेन्द्रगढ़ से कैलॉग्स कॉर्न फ्लेक्स के विधिक नमूने संकलित किए गए। इसी क्रम में श्री महन्त होटल नागपुर एवं गुप्ता स्वीट्स नागपुर से प्रयुक्त रिफाइंड सोयाबीन कुकिंग ऑयल तथा मेसर्स जे. अमरचंद जैन एंड कंपनी मनेन्द्रगढ़ से फॉर्च्यून प्लस रिफाइंड सोयाबीन तेल, फॉर्च्यून राइस ब्रान तेल एवं फॉर्च्यून रिफाइंड सनफ्लावर तेल के सर्विलांस नमूने संकलित किए गए हैं। सभी नमूने परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत दोषी पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान उपभोक्ताओं को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि यदि किसी खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता को लेकर संदेह हो तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें, जिससे समय रहते उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, 'मिशन शक्ति' के तहत हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति हब' के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत मनेन्द्रगढ़ में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (शिक्षा विभाग) एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (टी) मनेन्द्रगढ़ में संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यालय की सभी छात्राओं ने भाग लिया। उन्हें आत्मरक्षा के विभिन्न व्यावहारिक गुण सिखाए गए, जिससे वे विपरीत परिस्थितियों में खुद की रक्षा कर सकें और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकें। प्रशिक्षण का नेतृत्व मास्टर ट्रेनर प्रभावती ने किया। कार्यक्रम के दौरान शालों के प्राचार्य सतेन्द्र कुमार सिंह, उदय मिश्रा, प्रभारी प्राचार्य अर्चना वैष्णव, खेल शिक्षक सुमित कुमार जायसवाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. खाती एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शुभम बंसल के निर्देशन में किया गया। मिशन शक्ति हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा एवं जेंडर विशेषज्ञ शैलजा गुप्ता ने संपूर्ण आयोजन को समन्वित रूप से संपन्न कराया। छात्राओं ने प्रशिक्षण के बाद इसे बेहद उपयोगी बताया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से सशक्त बनाते हैं। यह पहल निश्चित रूप से महिलाओं एवं बालिकाओं को सशक्त बनाने की दिशा में मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में एक मजबूत कदम सिद्ध हो रही है।

संभाग में भारी बारिश, 3 लोगों की मौत, उफनते नाले में बहे मां-बेटे, गेउर नदी में बहा युवक, 3 बच्चे तेज बहाव में फंसे

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। संभाग के 3 जिलों में जून महीने में औसत से अधिक बारिश दर्ज की गई है। बलरामपुर जिले में औसत से दोगुने से भी अधिक बारिश हुई है। मानसून के दौरान बने नए सिस्टम से उत्तर छत्तीसगढ़ में लगातार बारिश का पूर्वानुमान है। संभाग में हो रही भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। बलरामपुर में नाला पार कर रहे मां-बेटे तेज बहाव में बह गए। गेउर नदी में सोमवार शाम को मछली मारने गए युवक की बह जाने से युवक की मौत हो गई। गागर नदी में अचानक बाढ़ आने से तीन पहाड़ी कोरवा बच्चे घंटों फंसे रहे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। मौसम विभाग ने मंगलवार को बलरामपुर-सूरजपुर में ऑरेंज और सरगुजा जिले में यलो अलर्ट जारी किया है। बलरामपुर में हो रही भारी बारिश के कारण गेउर नदी के उफान पर रहने के कारण राजपुर-ओकरा मार्ग में बने पुल में तीन फीट तक ऊपर पानी बह रहा है। आधा दर्जन गांवों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालय से टूट गया है।

बलरामपुर में नाले में बहे मां-बेटे: बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में उफनते नाले को पार कर रहे मां-बेटे बह गए। दोनों का शव मंगलवार को बरामद हुआ है। आमगांव निवासी विशुन कोरवा की पत्नी रजनी पहाड़ी कोरवा (20) अपने दो वर्षीय बेटे आनंद के साथ मायके ग्राम रकैया गई थी। वहां से शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच वह बेटे को लेकर पैदल ही लौट रही थी। दोनों गांव के बीच स्थित बढ़नी झरिया नाले में कमर तक पानी भरा था। बेटे को गोद में लेकर रजनी कोरवा नाला पार कर रही थी। दोनों नाले के तेज बहाव में बह गए। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने मां-बेटे का शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर खेत में पड़ा देखा और सूचना शंकरगढ़ पुलिस को दी। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

उफनती नदी में बहा युवक, मौत: बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम जारगिम निवासी युवक मणिशंकर पैकरा (45) अपने अन्य साथियों के साथ गेउर नदी पार कर मछली पकड़ने के लिए गया था। दोपहर करीब 3 बजे ग्रामीण वापस जारगिम आने के लिए निकले, तब तक नदी में बाढ़ आ चुकी थी। मणिशंकर पैकरा ने उफनती नदी को पार करने के दौरान बह गया। शाम को उसकी लाश नदी किनारे मिली है।

बलरामपुर में पुलिया धंसने से गिरी पिकअप: शंकरगढ़ से बलरामपुर जाने वाले मार्ग पर ग्राम पंचायत जगीमा, पटना के उभका नाला में स्थित पुलिया के धंस जाने से व्यवसायी की पिकअप गिर गई। पिकअप एक व्यवसायी की है, जो शंकरगढ़ बाजार कर वापस लौट रहा था। नाला पार करने के दौरान पुलिस के धंस जाने से पिकअप नीचे गिर गया। हादसे में व्यापारी और सवार लोग बाल-बाल बचे। हादसे के बाद बलरामपुर-शंकरगढ़ का यह मार्ग बंद हो गया है।

ड्रिंक एंड ड्राइव में 10 लोगों पर एक्शन

ड्राइविंग-लाइसेंस होगा सस्पेंड, 6 महीने में 860 आरोपी पुलिस की देर रात चेकिंग में पकड़ाए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। ड्रिंक एंड ड्राइव केस में 10 लोगों पर एक्शन हुआ है। पुलिस आरोपियों के ड्राइविंग लाइसेंस भी सस्पेंड करेगी। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार-रविवार दरमियानी रात चेकिंग अभियान चलाया है। पुलिस का कहना है कि अभियान लगातार जारी रहेगा। सभी आरोपी वाहन चालकों पर कोर्ट के आदेश से भारी जुर्माना भी किया गया है। रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा नशे की हालत में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद नशे में गाड़ी चलाने के मामले थम नहीं रह रहे। रायपुर पुलिस शहर के श्री राम मंदिर चौक, फूंडहर चौक और तेलीबांधा थाना चौक में बैरिकेडिंग कर ड्रिंक एंड ड्राइव कर वाहन चलाने वाले 10 शराबी वाहन चालकों के खिलाफ चालान किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, नशे की हालत में होने के कारण स्वयं तथा दूसरे वाहन चालक के जान के लिए जोखिम भरा होता है। ऐसे वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई जरुरी है। बीते 6 महीने के भीतर लगभग 860 से अधिक शराबी वाहन चालकों पर कार्रवाई की जा चुकी है। जिसके तहत वाहन जब्त कर मामले का निराकरण के लिए कोर्ट भेजा गया। जहां कोर्ट ने 10,000-10,000 रुपए का भारी भरकम जुर्माना लगाया गया है। साथ ही ड्रिंक एंड ड्राइव वाहन चालकों पर लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई भी की जा रही है।

महतारी वंदन योजना

आत्मनिर्भरता की ओर कमला बाई सारथी का प्रेरणादायक कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना राज्य की महिलाओं को आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने वाली एक क्रांतिकारी पहल बन चुकी है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की महिलाओं को हर माह ?1000 की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिसका उपयोग कई महिलाएं अपनी दैनिक आवश्यकताओं के साथ-साथ छोटे व्यवसाय शुरू करने में भी कर रही हैं। इसी कड़ी में जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड मनेंद्रगढ़ निवासी कमला बाई सारथी की कहानी प्रेरणा का स्रोत बन रही है। कमला बाई को पूर्व से ?500 की विधवा पेंशन मिलती थी, जिसमें अब महतारी वंदन योजना से अतिरिक्त ?500 जुड़ गए हैं। इस कुल ?1000 की मासिक सहायता को उन्होंने संजोकर एक छोटा किराना व्यवसाय शुरू किया है। कमला बाई बताती हैं कि जब से उन्हें महतारी वंदन योजना की राशि मिलने लगी है, उनकी आर्थिक स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। अब वे स्वयं कमाई कर रही हैं और धीरे-धीरे अपने व्यवसाय का विस्तार भी कर रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कमला बाई कहती है- "महतारी वंदन योजना हम महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे हम आत्मनिर्भर बन रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि यह राशि हर महीने समय पर हमारे खाते में आती है, जिससे हमारा विश्वास और भी मजबूत हुआ है। "कमला बाई सारथी जैसी महिलाएं अब यह साबित कर रही हैं कि थोड़ी-सी सहायता और निरंतर प्रोत्साहन से कोई भी महिला अपने जीवन की दिशा बदल सकती है। निसंदेह, महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की महिलाओं के सपनों को उड़ान देने वाली एक सशक्त आधारशिला बन रही है।

गूगल ऐप का रिव्यू लिखने के नाम पर ऑनलाइन ठगी, बैंक अकाउंट होल्डर की बेल खारिज

भगोड़ा घोषित होने पर अग्रिम जमानत नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। हाईकोर्ट ने जमानत के एक केस में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि, धोखाधड़ी के प्रकरण में भगोड़ा घोषित होने पर आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। इसके साथ ही कोर्ट ने ऑनलाइन ठगी के एक मामले में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दी है। दरअसल, सिटी कोतवाली क्षेत्र में निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि, 18 अक्टूबर 2024 को उसके मोबाइल पर अनजान नंबर से मैसेज आया, जिसमें गूगल मैप पर रिव्यू देने के लिए कहा गया। इसके बदले पैसे देने का झांसा दिया। शिकायतकर्ता झांसे में आकर गूगल मैप पर रिव्यू देने लगा। जिसके बाद उसे टेलीग्राम पर एक लिंक भेजा गया, उसे खोलने पर एक हजार रुपए जमा करने को कहा गया।

क्रिप्टो करेंसी के जरिए पैसे कमाने का दिया झांसा: इसके बाद फॉर्म्स बीट नाम के एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया और उसे क्रिप्टो लिंक में शामिल कराया गया। उसे बताया गया कि, क्रिप्टो लिंक मिलने के बाद उसे ज्यादा मुनाफा होगा। कुछ ही समय में उसके बैंक खाते से 12 हजार रुपए कट गए। पूछताछ करने पर आरोपी ने 23 हजार रुपए वापस करने का झांसा देकर 50 हजार रुपए देने कहा। इस तरह पीड़ित व्यक्ति के अकाउंट से 1 लाख 10 हजार रुपए अलग-अलग किस्तों में निकाल ली गई।

जिसके खाते में पैसा गया, उस आरोपी की हुई पहचान: पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान जांच में पता चला कि आरोपी मन्नू चौक, टिकरा पारा निवासी मंशु गुप्ता सह आरोपियों के बैंक खातों का संचालन कर रहा था। पुलिस ने मामले में बीएनएस की धारा 318(4), 3(5) के तहत केस दर्ज किया है।

गिरफ्तारी से बचने लगाई अग्रिम जमानत अर्जी: संभावित गिरफ्तारी से बचने आरोपी ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी लगाई थी। राज्य सरकार की तरफ से विरोध करते हुए बताया गया कि, आरोपी ने विवेचना में कोई सहयोग नहीं किया है और फरार चल रहा है। उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। हाईकोर्ट ने लवेश बनाम एनसीटी दिल्ली और मध्यप्रदेश राज्य बनाम प्रदीप शर्मा के केस का हवाला देते हुए अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि इस तरह धोखाधड़ी के केस में भगोड़ा घोषित होने पर आरोपी को अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

जल्द चलेगी इलेक्ट्रिक सिटी बस

कोनी टर्मिनल पर 8 करोड़ की लागत से बन रहा चार्जिंग स्टेशन, नवंबर-दिसंबर से शुरू होगी सेवा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। जल्द ही इलेक्ट्रिक सिटी बसों का संचालन शुरू होने जा रहा है। ये बसें बिलासपुर जिला अरबन पब्लिक सर्विस सोसायटी के कोनी स्थित सिटी बस टर्मिनल से संचालित होंगी। टर्मिनल पर 8 करोड़ रुपए की लागत से यात्री प्रतीक्षालय, रैन बसेरा, बच्चों का उद्यान और इलेक्ट्रिक बसों का चार्जिंग स्टेशन बनाया जा रहा है। बिलासपुर को पहले चरण में 25 बसें मिलेंगी। इनमें 34 सीटर 35 एयर कंडीशन्ड और 18 सीटर 15 एसी बसें शामिल हैं। बाकी बसें दूसरी खेप में आएंगी। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार के अनुसार, चार्जिंग स्टेशन बनने के बाद नवंबर-दिसंबर में इन बसों का संचालन शुरू हो जाएगा।

खस्ताहाल बसों की होगी नीलामी: वर्तमान में शहर में 13 पुरानी सिटी बसें चल रही हैं। 3 बसें मरम्मत के लिए वर्कशॉप में हैं। 10 साल पुरानी 25 खस्ताहाल बसों की नीलामी की जाएगी। इसके लिए एआरटीओ, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम के अधिकारियों की एक संयुक्त समिति बनाई गई है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रगति की समीक्षा: केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के निदेशक ने सोमवार (30 जून) को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रगति की समीक्षा की। इस बैठक में छत्तीसगढ़ के नगरीय प्रशासन के सीनियर अधिकारी और बस सप्लायर कंपनी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के प्रतिनिधि शामिल हुए।

एक बगिया मां के नाम बनेगी आजीविका का नया माध्यम, महिलाएं होंगी लाभान्वित : मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में एक बगिया मां के नाम से नई योजना आरंभ की जा रही है। इसमें प्रदेश स्तर पर स्व-सहायता समूह की 30 हजार महिलाओं की 30 हजार एकड़ भूमि पर लगभग 900 करोड़ की लागत से आजीविका संवर्धन के लिए 30 लाख उद्यानिकी पौधों का रोपण कर फल उद्यान विकसित किए जाएंगे। इस योजना में हितग्राहियों को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग और सिंचाई के लिए जल कुंड बनाने के लिए भी धनराशि प्रदान की जाएगी। उद्यान विकास के लिए महिला हितग्राहियों को प्रशिक्षित भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले अपने संबोधन में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार

को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की लगभग 100 नदियों के उद्गम स्थलों पर 10-10 एकड़ भूमि पर 42 करोड़ रुपए की लागत से पौधों का रोपण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई से 15 सितंबर तक एक पेड़ मां के नाम अभियान आयोजित होगा, जिसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास, वन, उद्यानिकी सहित सभी विभाग जनसहभागिता से संचालित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किया जाना है। समिति में सांसद, विधायक, पंचायत तथा नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों के साथ ही चिकित्सा, विधि, इंजीनियरिंग, समाज सेवा, कृषि, उद्यानिकी डेयरी आदि क्षेत्रों के विशेषज्ञ और प्रख्यातजन शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत खेत का पानी खेत में संचित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 85 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण किया गया।

राजस्थान के अलवर में सड़कें डूबीं, घरों में पानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में जून में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। जुलाई में भी सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान है। देश के ज्यादातर हिस्सों में मानसूनी बारिश जारी है। राजस्थान के अलवर में सोमवार को भारी बारिश के चलते सड़कों पर दो फीट तक पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गंगा-यमुना में बाढ़ जैसे हालात हैं। घाट की तरफ 500 मीटर आगे तक पानी भर गया है। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सोमवार रात 4 जगह बादल फटने से भारी नुकसान हुआ। बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है, 16 लोग लापता हैं। 10 घरों को नुकसान पहुंचा है। उत्तराखंड में सोमवार को कोटद्वार-बद्रीनाथ मार्ग पर सतपुली के पास लैंडस्लाइड की वजह से पौड़ी-मेरठ नेशनल हाईवे बंद हो गया। उत्तरकाशी में लैंडस्लाइड के कारण यमुनोत्री हाईवे बंद हो गया है।

तेलंगाना केमिकल फैक्ट्री धमाका- मौत का आंकड़ा 36 हुआ

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में दवा फैक्ट्री में हुए धमाके में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 36 हो गया है। फैक्ट्री से 31 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, अस्पताल में 5 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल हैं। संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज ने यह जानकारी दी है। 30 जून को फैक्ट्री की रिएक्टर यूनिट में विस्फोट हुआ था। हादसा पाशमिलारम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज में सुबह 8.15 बजे से 9.30 बजे के बीच हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को ?50 हजार की मदद की घोषणा की थी। इधर, तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ, न्यूज एजेंसी क्क्रञ्ज के मुताबिक, कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई। हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

तेलंगाना में विरोध के बावजूद रामचंद्र राव भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को 5 राज्य हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तेलंगाना में निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष चुन लिए हैं। इसके अलावा एमपी में हेमंत विजय खंडेलवाल ने भी निर्विरोध नामांकन भरा। बुधवार को उनकी जीत का ऐलान किया जाएगा। हिमाचल में राजीव बिंदल को तीसरी बार कमान दी गई है। वहीं, महेंद्र भट्ट दूसरी बार उत्तराखंड अध्यक्ष बने। महाराष्ट्र में रवींद्र चव्हाण, आंध्रप्रदेश में पीएनवी माधव और तेलंगाना में रामचंद्र राव को चुना गया है। तेलंगाना में रामचंदर राव को प्रत्याशी बनाए जाने पर विवाद हुआ था। गोशामहल से विधायक टी राजा ने विरोध करते हुए सोमवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो जाएगी। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50त्न राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं।

हिमाचल के मंत्री पर अपनी ही सरकार में एफआईआर

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मंत्री अनिरुद्ध सिंह पर अपनी ही सरकार में शिमला में स्नढ्ढक्रदर्ज हो गई है। पंचायती राज मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट मैनेजर और साइट इंजीनियर को कमरे में ले जाकर पीटा। इसके अलावा पानी से भरा घड़ा मारकर सिर फोड़ दिया। अधिकारियों से मारपीट का पता चलते ही केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कड़ा रुख दिखाया। उन्होंने सीएम सुखविंदर सुक्खू को कहा कि इस मामले में कार्रवाई की जाए।

कर्नाटक सीएम पद पर फिर विवाद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर अंदरूनी खींचतान तेज हो गई है। इस बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला बेंगलुरु दौरे पर पहुंचे हैं और पार्टी विधायकों के साथ लगातार मीटिंग कर रहे हैं।डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के करीबी विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया कि करीब 100 विधायक मुख्यमंत्री बदलने के पक्ष में हैं।

अगर अब बदलाव नहीं हुआ, तो 2028 का चुनाव कांग्रेस नहीं जीत पाएगी। हुसैन ने कहा, हम सुरजेवाला से यह मुद्दा खुलकर उठाएंगे। शिवकुमार ने पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत की है और उन्हें अब सीएम बनने का मौका मिलना चाहिए। दरअसल, 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत में डीके शिवकुमार की अहम भूमिका रही थी। तब वे मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे, लेकिन पार्टी हाईकमान के कहने पर उन्होंने डिप्टी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी स्वीकार की। उस समय रोटेशनल ष्टरू फॉर्मूले की बात भी सामने आई थी, लेकिन इसे कभी सार्वजनिक रूप से मंजूरी नहीं मिली। अब एक बार फिर यह मुद्दा खुलकर सतह पर आ गया है। रणदीप सुरजेवाला सोमवार को बेंगलुरु पहुंचे थे। उनके इस दौरे को सीएम और डिप्टी ष्टरू में बढ़ रही दरार से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया और अपने दौरे को संगठनात्मक समीक्षा बताया। उन्होंने मीडिया से नेतृत्व परिवर्तन की बात को कल्पना कहा। सिद्धारमैया ने भी मैसूर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सरकार 'बांदे' यानी चट्टान की तरह पांच साल चलेगी।

बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड सीनियर आईपीएस बहाल

बेंगलुरु। (एजेंसी)। बेंगलुरु भगदड़ केस में सस्पेंड आईपीएस विकास कुमार को मंगलवार को सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल ने बहाल कर दिया। सीएटी ट्रिब्यूनल ने कहा कि हादसे के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जिम्मेदार है। सीएटी ने कहा, पुलिस भगवान या कोई जादूगर नहीं है। पुलिस को व्यवस्था करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता तो उससे भारी भीड़ को नियंत्रित करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आरसीबी ने विक्ट्री परेड से पहले पुलिस से परमिशन नहीं ली। अचानक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी पोस्ट की, जिसके चलते भीड़ इकट्ठा हो गई। 5 लाख लोगों की भीड़ इकट्ठा करने के लिए फ्रेंचाइजी ही जिम्मेदार है। आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद आरसीबी ने 4 जून को विक्ट्री परेड निकाली थी। इस दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी, इसमें 11 लोगों की जान गई थी और 75 लोग घायल हो गए थे। इस केस में आईपीएस अधिकारी विकास कुमार को सस्पेंड किया गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि निलंबन पुख्ता सबूतों पर आधारित नहीं है। पुलिस अधिकारियों को बिना किसी पर्याप्त सबूत या आधार के सस्पेंड कर दिया गया है।

प्रियांक खड़गे बोले-केंद्र में आए तो आरएसएस को बैन करेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस नेता प्रियांक खड़गे ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनती है, तो आरएसएस पर बैन लगाया जाएगा। प्रियांक ने आरएसएस पर धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के खिलाफ काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने पहले भी दो बार आरएसएस पर बैन लगाया था और अब उन्हें उसे हटाने का अफसोस है। उनके मुताबिक, संघ हमेशा समानता और आर्थिक न्याय

के विरोध में रहा है। प्रियांक खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे हैं और अभी कर्नाटक सरकार में मंत्री हैं। पहले भी आरएसएस को बैन करने की बात कर चुके हैं। 2 साल उन्होंने कर्नाटक में आरएसएस को बैन करने की बात कही थी। प्रियांक खड़गे ने क्रस्स् भाजपा से देश को लेकर कोई सवाल नहीं पूछती। प्रियांक ने कहा कि आरएसएस अपनी राजनीतिक पार्टी भाजपा से ये सवाल क्यों नहीं पूछती कि देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है और पहलगाम में आतंकी हमला कैसे हुआ, ये किसकी चूक थी। यह प्रश्न न पूछकर संघ के लोग समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

तमिलनाडु के शिवाकाशी की पटाखा फैक्ट्री में धमाका, अब तक 8 की मौत

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के शिवकाशी में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग और फंसे हो सकते हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। घायलों को इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।विरुधुनगर जिले के एसपी कन्नन ने बताया कि शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी गांव में एक पटाखा फैक्ट्री में धमाका हुआ। हादसे के बाद फैक्ट्री से लगातार धुएं का गुबार उठता दिखा और अंदर पटाखों के

फटने की आवाजें आती रहीं। घटना की जांच की जा रही है। अमरोहा की एक पटाखा फैक्ट्री में 16 जून की दोपहर करीब 12.30 बजे हुए ब्लास्ट में 4 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें से एक महिला की नौकरी का पहला ही दिन था।

जंगी जहाज तमाल भारतीय नौसेना में शामिल

मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना को सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तमाल' मिल गया है। आईएनएस तमाल को रूस के कैलिनिनग्राद में कमीशन किया गया। कमीशनिंग सेरेमनी वाइस एडमिरल संजय जे. सिंह की अध्यक्षता में हुआ। तमाल रूस से मिला आठवां और तुशिल क्लास की दूसरी वॉरशिप है। यह 2016 में हुए भारत-रूस रक्षा समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत चार तलवार-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं। इनमें से दो रूस के यंतर शिपयार्ड में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बन रहे हैं। तमाल को रूस के यंतर शिपयार्ड में भारतीय विशेषज्ञों की निगरानी में तैयार किया गया है। इसमें 26 प्रतिशत स्वदेशी तकनीक शामिल है। यह जहाज 30 नॉट्स से ज्यादा की रफ्तार से चल सकता है और समुद्र के भीतर से लेकर हवा तक हमला करने की क्षमता रखता है। आईएनएस तमाल ब्रह्मोस मिसाइल से लैस है और रडार की पकड़ में भी नहीं आएगा। इसे नौसेना के पश्चिमी बेड़े में शामिल किया जाएगा। जहां ये अरब-हिंद सागर में तैनात होगा और पाकिस्तानी सीमा की निगरानी करेगा। इस युद्धपोत की खास बात इसका नाम और प्रतीक है। 'तमाल', इंद्र के पौराणिक तलवार का नाम है, और इसकी प्रतीकात्मक पहचान 'जाम्बवन्त' व रूसी भालू से प्रेरित 'ग्रेट बेयर्स' है। तमाल भारतीय और रूसी सहयोग का प्रतीक है और इसका आदर्श वाक्य 'सर्वदा सर्वत्र विजय' इसके जज्बे को दर्शाता है।

पंजाब सरकार फिर लेगी 8,500 करोड़ का कर्ज

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब सरकार जुलाई से सितंबर तिमाही के दौरान करीब 8,500 करोड़ रुपए का नया कर्ज लेने जा रही है। यह कर्ज भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी के अधीन होगा और बाजार से जुटाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक सरकार जुलाई में 2,000 करोड़ रुपए, अगस्त में 3,000 करोड़ रुपए और सितंबर में 3,500 करोड़ रुपए का कर्ज लेगी। इससे पहले सरकार अप्रैल और मई में 6,241.92 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। कुल मिलाकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक लिया गया कुल कर्ज 14,741.92 करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

नया कर्ज लेने की जानकारी के बाद विरोधियों ने सरकार को घेर लिया है और विरोध करना शुरू कर दिया है। पंजाब सरकार ने इस पूरे वित्त वर्ष में 34,201.11 करोड़ का कर्ज उठाने का लक्ष्य रखा है।

कोलकाता गैंगरेप- तीनों आरोपियों के डीएनए सैंपल लिए गए

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों के सैंपल लिए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज में 30 जून को मनोजीत मिश्रा, प्रमित मुखर्जी और जैद अहमद के फ्लूइड, यूरिन और बालों के नमूने लिए गए। यह प्रक्रिया करीब आठ घंटे तक चली।

पुलिस ने जांच पर कहा, तीनों आरोपियों ने कई दिन से पीड़िता को ट्रैक कर रहे थे। मिश्रा ने पीड़िता को कॉलेज में दाखिला लेने के पहले दिन से

ही निशाने पर लिया था।

प्लानिंग के बाद वारदात की गई। पुलिस ने चेतावनी भी दी है कि अगर पीड़ित लड़की की पहचान उजागर की तो एक्शन लिया जएगा। उधर, लॉ कॉलेज ने गैंगरेप के मुख्य आरोपी और दो अन्य आरोपियों को सस्पेंड कर दिया है। साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज में 25 जून को गैंगरेप एक छात्रा से गैंगरेप हुआ था।

मुख्य आरोपी यहीं का पूर्व छात्र मनोजीत मिश्रा है। इसमें दो स्टूडेंट जैब अहमद, प्रमित मुखर्जी और एक गार्ड पिनाकी भी शामिल हैं। जांच के लिए 9 मेंबर्स की एसआईटी बनाई गई है।

उत्तराखंड में निहंगों का झगड़ा, छुड़ाने आए पुलिसकर्मी को पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के ज्योतिर्मठ के पास हेमकुंड साहिब के दर्शन को आए निहंग सिखों और एक स्थानीय व्यापारी के बीच सोमवार को स्कूटर को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान जब एक पुलिस अधिकारी बीच-बचाव करने पहुंचे, तो उन पर भी धारदार हथियार से हमला कर दिया गया, जिससे वह घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, निहंगों ने व्यापारी पर तलवार से हमला करने की कोशिश की, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। बाद में जब पुलिस ने निहंगों को थाने के पास रोका, तो बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी भी वहां पहुंच गए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 7 निहंग सिखों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है।

संपतिया बोलीं- मेरी सच्चाई सीएम को पता, वो जवाब देंगे

भोपाल। मध्यप्रदेश की पीएचई मंत्री संपतिया उइके ने अपने ऊपर लगे 1000 करोड़ के कमीशन लेने के आरोप पर मंगलवार को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल सही हूं, सांच को आंच नहींज। जिस तरह से जांच करें, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मेरी सच्चाई मुख्यमंत्री को पता है, वो जवाब देंगे। इधर, कैबिनेट बैठक में मंत्री के ऊपर लगे आरोप और जांच का मामला उठा। डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि अपने ही विभाग की मंत्री के खिलाफ जांच बैठाने वाले पीएचई विभाग के प्रमुख अभियंता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें, पीएचई मंत्री संपतिया उईके पर 1000 करोड़ रुपए कमीशन लेने के आरोप लगे थे। इस पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग ने उनके खिलाफ जांच बैठा दी थी। प्रमुख अभियंता (ईएनसी) संजय अंधवान ने प्रधानमंत्री से की गई शिकायत और केंद्र की ओर से मांगी गई रिपोर्ट के बाद जांच के आदेश दिए थे। पूर्व विधायक किशोर समरीते ने 30 हजार करोड़ के जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। पीएचई मंत्री संपतिया ने कहा

कि जिस तरह से जांच करें, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। अगर किसी के विरुद्ध शिकायत हुई है तो उसकी जांच होती है। किशोर समरीते की ओर से प्रधानमंत्री को की गई शिकायत के बाद मुख्य सचिव कार्यालय को प्रधानमंत्री कार्यालय से निर्देश मिले थे। मुख्य सचिव ने पीएचई विभाग के प्रमुख सचिव को इसके लिए निर्देशित किया। इसके बाद प्रमुख सचिव ने ईएनसी को इसकी जांच के लिए पत्र आगे बढ़ा दिया। 12 अप्रेल को पीएम को भेजे गए पत्र पर 22 अप्रेल से एमपी में यह प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद 23 अप्रेल, 24 अप्रेल और 25 अप्रेल को इसके निर्देश निचले अफसरों को दिए जाते रहे।

जयशंकर ने भारत-पाक सीजफायर पर ट्रम्प का दावा खारिज किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में ट्रम्प के दावे को खारिज किया। जयशंकर ने कहा- भारत-पाकिस्तान सीजफायर में अमेरिका के साथ व्यापार का कोई संबंध नहीं है। मंगलवार को अमेरिका में न्यूजवीक मैगजीन के सीईओ देव प्रसाद के साथ इंटरव्यू के दौरान उन्होंने ये बात कही। जयशंकर ने कहा- 9 मई की रात अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पीएम मोदी से बात की थी। मैं भी उस दौरान उसी कमरे में था। वेंस ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान भारत पर बड़े हमले की योजना बना रहा है। पीएम मोदी ने इसकी परवाह न करते हुए कहा था- हमले का जवाब दिया जाएगा। विदेश मंत्री ने कहा- अगली सुबह (10 मई) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पीएम से संपर्क किया। कहा- पाकिस्तान बातचीत के लिए तैयार है। इसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ

अब्दुल्ला ने भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई से संपर्क किया और सीजफायर की रिक्वेस्ट की थी। दरअसल, 10 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की सबसे पहली सूचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने ङ्ग पोस्ट के जरिए दी थी। ट्रम्प ने कई मौके पर कहा है कि भारत-पाकिस्तान को व्यापार न करने की धमकी दी थी, इसके बाद दोनों देश सीजफायर के लिए माने। जयशंकर ने कहा- घटनाक्रम उस तरह से नहीं हुआ था। कूटनीति और व्यापार संबंधी चर्चा पूरी तरह से अलग हैं। मुझे लगता है कि व्यापार से जुड़े लोग वही कर रहे हैं जो उन्हें करना चाहिए, जैसे- नंबर, लाइनों, प्रोडक्ट्स और व्यापार समझौता। वे सभी इसके प्रोफेशनल हैं और फोकस्ड हैं। भारत का रुख साफ है आतंकवादियों को किसी भी तरह से नहीं छोड़ा जाएगा। अब उन्हें प्रॉक्सी को तौर पर नहीं देखा जाएगा। आतंकियों को पालने वाली सरकारों को नहीं बख्शेंगे। चर्चा के दौरान जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला सोचा समझा आर्थिक युद्ध था। इसका मकसद कश्मीर में पर्यटन उद्योग को बर्बाद करना था। यह हमला पर्यटन पर हमला था, जो कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आतंकी चाहते थे कि लोग डरें, पर्यटक न आएं और घाटी का आर्थिक ढांचा टूट जाए। हमलावरों ने धार्मिक पहचान के आधार पर लोगों को अलग किया और फिर हत्या की, ताकि सांप्रदायिक तनाव फैल सके।

सुरुचि सिंह और सौरभ ने निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल में किया बेहतरीन प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को देहरादून में आयोजित निशानेबाजी राष्ट्रीय चयन ट्रायल के 'टी4' 10 मीटर पिस्टल महिला वर्ग में सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार सत्र को जारी रखते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं ओलंपियन सौरभ चौधरी पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर रहे। सुरुचि और सौरभ दोनों ने त्रिशूल निशानेबाजी परिसर में ग्रुप ए में क्रमशः 588 और 587 के उच्च स्कोर के साथ अपने-अपने क्वालीफिकेशन दौर में शीर्ष स्थान हासिल किया। सुरुचि ने फाइनल में शुरू से ही दबदबा कायम करते हुए 244.3 का स्कोर बनाया। यह दूसरे स्थान पर रही अंजलि शेखावत से 3.1 अधिक था। अनुभवी रही सरनोबत ने 221.6 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही। ओलंपियन मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमशः 202.5 और 179.6 के स्कोर के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सुरुचि ने जीत दर्ज करने के बाद कहा, ''मेरी निशानेबाजी के तरीके में कोई बड़ा राज नहीं है। मैं घड़ी नहीं देखती या यह नहीं सोचती कि कितनी जल्दी निशाना साधा जाये, मैं तब तक अपना खेल जारी रखती हूं जब तक काम पूरा न हो जाए। लय बनने के बाद चीजें स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ती जाती है। यह मेरे फोकस बनाए रखने में मदद करता है।' ' पुरुषों के फाइनल में सौरभ ने 245.7 के स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, जो दूसरे स्थान पर रहे सुभाष सिहाग से 0.4 अंक अधिक था। सुभाष ने 245.3 का स्कोर हासिल किया।

अर्शदीप सिंह ने किया खुलासा, बताया कोच मोर्न मोर्कल के साथ क्यों कर रहे थे डब्ल्यूडब्ल्यूई फाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया एजबेस्टन में अभ्यास कर रही है, इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। अभ्यास का एक वीडियो मीडिया पर खूब वायरल हो रहा था, जिसमें तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, आकाश दीप गेंदबाजी कोच मोर्न मोर्कल से मस्ती भरे अंदाज में लड़ते हुए दिख रहे थे। दोनों कोच को पटखनी देते हुए नीचे गिर रहे थे, अब इस पर खुद अर्शदीप ने खुलासा किया है वह ऐसा क्यों कर रहे थे। सोमवार को बीसीसीआई ने एक वीडियो शेयर किया, इसमें अर्शदीप सिंह ने बताया कि आखिर वह तीनों ऐसा क्यों कर रहे थे। अर्शदीप लीड्स में हुए पहले टेस्ट में नहीं खेले थे, देखना होगा कि क्या वह दूसरा टेस्ट खेलेंगे या नहीं क्योंकि बुमराह को खेलना मुश्किल है। वीडियो में अर्शदीप सिंह ने कहा कि, मोर्न मोर्कल ने कहा था कि जैसे ही तुम्हारा सेशन खत्म हो जाए, तो मैं हमेशा लास्ट मूव करूंगा, मैं तुम्हें पिन आउट करूंगा और उसके बाद कोई प्रैक्टिस नहीं होगी। उसने मुझे नया तरीका ढूंढा है दिन कॉल ऑफ करने का आज वह करके दिखा रहे थे।

अर्शदीप ने भारत के लिए वनडे और टी20 फॉर्मेट में खेला है, लेकिन टेस्ट डेब्यू नहीं किया है। उन्होंने 21 फर्स्ट क्लास मैचों में 66 विकेट लिए हैं, जिसमें 2 बार 5 विकेट हॉल किया है। हो सकता है कि उन्हें एजबेस्टन में डेब्यू कैप मिल जाए, क्योंकि यहां की पिच तेज गेंदबाजों को मदद करेगी और जसप्रीत बुमराह वर्कलोड के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं।

भारत के आयुष शेट्टी ने जीता पहला वर्ल्ड टूर यूएस ओपन,

नई दिल्ली। भारत के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन सुपर 300 के पुरुष एकल फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग पर सीधे गेम में जीत के साथ अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता है। इसके साथ ही इस सत्र में भारत का खिताबी सूखा खत्म हुआ। 2023 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य विजेता 20 वर्षीय आयुष ने तीसरी वरीयता प्राप्त यांग को 47 मिनट में 21-18, 21-13 से हरा दिया। वहीं, महिला एकल फाइनल में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा शीर्ष वरीय अमेरिका की बेवेन झांग से तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले मं हारकर उप विजेता रहीं। अपना पहला वर्ल्ड टूर फाइनल खेल रहीं गैरवरीय तन्वी को 46 मिनट में 11-21, 21-16, 10-21 से हार का सामना करना पड़ा। आयुष की यांग पर ये तीसरी जीत रही। उन्होंने इ साल के शुरू में मलेशिया ओपन और ताइपे ओपन में उन्हें हराया था।

आयुष ने इस पूरे हफ्ते में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त चाउ टिएन चेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद जीत हासिल की थी। पुरुष एकल फाइनल की शुरुआत में स्कोर 6-6 से बराबर रहा था, लेकिन चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने कई विनर्स लगाकर मिड तक यांग पर 11-6 की बढ़त बना ली।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित, जोफ्रा आर्चर बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईसीबी और टीम मैनेजमेंट ने मिलकर एक बोल्ड फैसला भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले लिया है। बुधवार 2 जुलाई से एजबेस्टन में भारत के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। वहीं आश्चर्य की बात ये है कि इंग्लैंड टीम में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

ऐसे में जोफ्रा आर्चर को फिलहाल के लिए बाहर बैठना पड़ेगा। लगातार दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की ओर से दो दिन पहले प्लेइंग इलेवन का ऐलान देखने को मिला है। अभी तक इंग्लैंड की ओर से एक दिन पहले टीम की घोषणा होती थी, लेकिन जब मैच से दो दिन पहले इसका ऐलान किया गया है। हेडिंग्ले में एक अविश्वसनीय जीत के बाद मेजबान टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, जिसमे उसने चौथी पारी में 371 रनों का पीछा करते हुए जीत दर्ज की। इंग्लैंड की स्क्वॉड में जरूर बदलाव हुआ था, लेकिन मुकाबले के लिए प्लेइंग इलेवन पहले मैच वाली ही है। कहा जा रहा था कि इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए दूसरे टेस्ट मैच में जोफ्रा आर्चर को उतार सकता है, लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिला। जोफ्रा आर्चर वैसे भी पारिवारिक इमरजेंसी के कारण प्रैक्टिस सेशन में नजर नहीं आए। शायद इसी कारण से टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया हो।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग 11

जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर।

वैभव सूर्यवंशी ने चार दिन में दूसरी बार बल्ले से उड़ाया गर्दा, इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर की धुलाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर बेतरीन प्रदर्शन किया है। भारत और इंग्लैंड की अंडर-19 टीमों के बीच दूसरा वनडे मैच खेला जा रहा है। 14 वर्षीय युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी ने सभी का दिल जीत लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ इस दूसरे वनडे मैच में वैभव ने 45 रनों की तूफानी पारी खेली। पिछले मैच की तरह इस मुकाबले में भी वैभव अर्धशतक लगाने से चूक गए।

इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। तब कप्तान आयुष म्हात्रे बिना खाता खोले ही पहली गेंद पर आउट हो गए। इंग्लैंड को भारत के कप्तान की विकेट पहली ही गेंद पर मिल गई। लेकिन दूसरे सिरे पर बल्लेबाज करने आए वैभव सूर्यवंशी खड़े थे। वैभव ने 34 गेंदों में 45 रनों की बेहतरीन पारी खेली। इस पारी में वैभव ने पांच चौके और तीन छक्के लगाए।

वहीं भारत की अंडर-19 टीम बेहतरीन बल्लेबाजी कर रही है। वैभव सूर्यवंशी के 45 रन पर आउट होने के बाद विहान मल्होत्रा और मौल्यराज सिंह छाबड़ा ने भारत की पारी को संभाला है। इस वनडे मैच में 20 ओवर के बाद भारत कास्कोर 2 विकेट के नुकसान पर 116 रन हो गया है। विहान 49 गेंदों में 39 रन पर और छाबड़ा 39 गेंदों में 21 रन पर बल्लेबाजी कर रहे हैं।

यश दयाल पर यौन शोषण मामले में आया नया मोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरसीबी के खिलाड़ी यश दयाल पर शादी का झांसा देकर शोषण करने का आरोप लगने की खबरें पिछले हफ्ते सामने आई थी। इस महिला ने बताया कि उनका यश दयाल के साथ 5 सालों तक रिश्ता चला था। लेकिन इस दौरान उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से शोषण किया गया था। अब एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यश दयाल के कई महिलाओं के साथ संबंध थे। अनुसारा, शिकायत करने वाली महिला ने आरोपों की लिस्ट लंबी कर दी है। शिकायत में दावा किया गया है कि यश दयाल के कई महिलाओं के साथ संबंध थे। गाजियाबाद पुलिस ने उनका स्टेटमेंट दर्ज करने के बाद भारतीय क्रिकेट को नोटिस भेज दिया है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यश दयाल की इस महिला के साथ बातचीत सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुई थी। ये महिला यश दयाल के परिवार के करीब थी और उनके घर पर रह चुकी थी। हालांकि, यश दयाल के पिता ने उनसे पहचान से इनकार कर दिया है। शिकायत दर्ज करने वाली महिला ने ये भी दावा किया कि वो फरवरी 2025 में एक आरसीबी प्लेयर के शादी समारोह में शामिल हुई थी। जहां उनकी और यश की सगाई की बात छिड़ी थी। उसने बताया कि जब तक यश उनके साथ रिश्ते में रहे इस दौरान आरसीबी का ये स्टार खिलाड़ी कई अन्य रिलेशन में भी रहा। 17 अप्रैल को उसे एक और महिला का कॉल आया जिसने यश के साथ रिलेशन में होने का सबूत दिया था। 3 अन्य महिलाएं भी ऐसे ही दावे कर चुकी हैं। इस महिला ने कहा कि, पावर, पैसा और फेम के जरिए इस मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन मुझे भारतीय न्याय प्रणाली पर पूरा विश्वास है। मैं इस सबको नजरअंदाज कर सकती थी लेकिन मुझे कैसा पता चलता कि वो धोखा दे रहे हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी केशव महाराज ने रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका टीम के मौजूदा कप्तान केशव महाराज ने टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान हासिल किया है। दरअसल, केशव महाराज ने टेस्ट में 200 विकेट ले लिए हैं। ऐसा करने वाले वो पहले साउथ अफ्रीका स्पिन गेंदबाज बन गए हैं। केशव महाराज पिछले 9 सालों से साउथ अफ्रीका टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। 35 साल का ये खिलाड़ी टीम में लीड स्पिन गेंदबाज के तौर पर है। डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने के बाद साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा चोटिल हो गए थे। जिसके कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम की कमान केशव महाराज को सौंपी गई है। अब केशव महाराज ने टेस्ट करियर में 200 विकेट हासिल कर लिए हैं। केशव महाराज जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में अपना 59वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं। इस सीरीज में केशव महाराज ने 200वां विकेट लिया है। केशव वनडे में 48 मैचों में 58 विकेट हासिल कर चुके हैं। वहीं टी20 में साउथ अफ्रीका टीम के इस स्पिन गेंदबाज ने 39 मैचों में 38 विकेट झटके हैं। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे के बीच पहला टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसमें साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

इस पूर्व कप्तान ने ईसीबी पर साधा निशाना, कहा- इंग्लैंड ने पटौदी ट्रॉफी का नाम बदलकर सही नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय दिग्गज फारुख इंजीनियर ने कहा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की ट्रॉफी का नाम बदलकर गलत किया और दिवंगत मंसूर अली पटौदी के नाम पर मेडल देने का फैसला उनके जैसे फैंस को खुश करने के लिए किया गया। ईसीबी ने 2007 में भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए पटौदी ट्रॉफी की शुरुआत की थी, लेकिन पांच मैचों की मौजूदा सीरीज शुरू होने से पहले इसका नाम बदलकर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी कर दिया गया। इस फैसले की सुनील गावस्कर जैसे क्रिकेटरों ने आलोचना की थी। इंजीनियर भी इस फैसले से निराश हैं लेकिन इसके साथ उन्हें ये भी लगता है कि सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन की उपलब्धियां निर्विवाद हैं।

तेंदुलकर ने ईसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद घरेलू बोर्ड ने सीरीज जीतने वाली टीम के कप्तान को पटौदी पदक देने का फैसला किया।

मैनचेस्टर में रहने वाले इंजीनियर ने पीटीआई से कहा कि, टाइगर पटौदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। मेरे बहुत अच्छे सहयोगी थी। हमने काफी टेस्ट मैच साथ में खेले। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब हुई जब 2007 में ट्रॉफी का नाम उनके नाम पर रखा गया। उन्होंने कहा कि, एक ओर जहां मैं इस बात से बहुत निराश हूं कि पटौदी का नाम हटा दिया गया। मैं चाहता हूं कि टाइगर का नाम इस ट्रॉफी से जुड़ा रहता लेकिन इसके बजाय सचिन और एंडरसन के नाम पर इस ट्रॉफी का नाम रखने का फैसला किया गया जो खेल के दिग्गज हैं।

इंजीनियर ने आगे कहा कि, इसके बारे में बाद में सोचा गया। उन्हें इसकी घोषणा शुरू में ही कर देनी चाहिए थी, इसके ज्यादा विश्वसनीयता होती लेकिन कम से कम उन्होंने कम से कम उन्होंने कुछ तो किया। उम्मीद है कि पटौदी नाम इसे हमेशा जुड़ा रहेगा।

उन्होंने कहा कि, तेंदुलकर और एंडरसन की उपलब्धियों पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। इस कहानी के दो पहलू हैं। उन्होंने पदक का नाम पटौदी के नाम पर रखा है जो बहुत सोच-समझकर किया गया फैसला है।

भारत में क्रिकेट कमेंट्री के गिरते स्तर पर नाराज हुए रोहित शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक दशक में भारतीय क्रिकेट टीम ने मैदान पर काफी उतार-चढ़ाव देखा है। इस दौरान कभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दिल जीता तो कभी फैंस को निराश भी होना पड़ा। लेकिन इस बीच एक चीज का स्तर लगातार गिरता गया है

और वह है क्रिकेट कमेंट्री। एक दौर था, जब रेडियो पर कमेंट्री सुनकर मैच सुनने वाले मैदान की फील्डिंग से लेकर बॉलर और कप्तान के साथ बल्लेबाज की रणनीति तक समझ लेते हैं। आज 72 कैमरों से लाइव प्रसारित होने के बावजूद युवाओं को ये समझ नहीं आता कि गली और प्वाइंट में क्या अंतर है। हाल ही में भारतीय टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा ने क्रिकेट कमेंट्री के गिरते स्तर पर नाराजगी जताई है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री की क्वालिटी की तुलना भारतीय कमेंट्री से करते हुए इसे निराशाजनक बताया। रोहित ने कहा कि, जब हम यहां टीवी पर मैच देखते हैं तो कमेंटेटर्स का बोलने का तरीका बहुत निराशाजनक है।

ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री का स्तर बिल्कुल अलग और बेहतर है। यहां भारत में ऐसा लगता है कि कमेंटेटर्स का मकसद सिर्फ एक खिलाड़ी को निशाना बनाकर नेगेटिव बातें करना है। रोहित ने आगे कहा कि भारतीय कमेंट्री खेल की बारीकियों और तकनीक पहलुओं पर ध्यान देने के बजाय विवादों को बढ़ावा देने पर फोकस है, जो असली क्रिकेट फैंस के लिए अच्छा नहीं है। ये बयान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दिया, जिसने क्रिकेट जगत में चर्चा को जन्म दिया है। बता दें कि, इससे पहले भी कई क्रिकेट फैंस ने अपने आइडल को सोशल मीडिया पर टैग कर, कमेंट्री की क्वालिटी को बेहतर करने की अपील की थी और सहवाग-हरभजन जैसे खिलाड़ियों ने उनकी बात को नजरअंदाज नहीं किया।

कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर की समीक्षा

अब केवल ई ऑफिस से भेजी गई फाइलें ही होंगी स्वीकार

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के शेष पेंशन प्रकरण सात दिवस में दर्ज करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी और जिलाधिकारी ई ऑफिस से ही फाइलों का परिचालन करें। कमिश्नर कार्यालय में भी अब केवल ई ऑफिस से भेजी गई फाइलें ही स्वीकार होंगी। शेष बचे संभागीय कार्यालय सात दिवस में ऑनबोर्ड होकर ई फाइल भेजना सुनिश्चित करें। कार्यालय में भी ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइल वर्क करें। संभागीय अधिकारी अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई फाइल व्यवस्था सात दिवस में सुनिश्चित करें। किसी भी तरह की कठिनाई होने पर जिला सूचना विज्ञान अधिकारी से संपर्क करके कठिनाई दूर कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि जून माह तक संभाग में सेवानिवृत्त हुए 189 शासकीय सेवकों में से केवल 94 के पेंशन प्रकरण पेंशन कार्यालय में दर्ज हुए हैं। संबंधित अधिकारी सात दिवस में शेष पेंशन प्रकरण अनिवार्य रूप से पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। सेवानिवृत्त अधिकारियों के पीपीओ समय पर जारी कराएं जिससे पेंशन के लिए सेवानिवृत्त कर्मियों को भटकना न पड़े। पेंशन प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि सभी नगर निगम तथा अन्य नगरीय निकाय शहरी क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों के सुधार और बाढ़ तथा अतिवृष्टि से निपटने के प्रबंधों पर विशेष ध्यान दें। त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित होने वाले गांव के निवासियों को सुरक्षित रखने के लिए स्थानों का चिन्हांकन कर लें। यहाँ बनाए जाने वाले राहत शिविरों में पर्याप्त अनाज, पेयजल, दवाओं तथा अन्य सुरक्षा के उपकरणों की व्यवस्था कर लें। आपदा नियंत्रण के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रखें। व्हाट्सएप ग्रुप में बाढ़ तथा अतिवृष्टि से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं लगातार दर्ज कराते रहें।

बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संभाग के सभी विकासखण्डों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान में एक-एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे। वृक्षारोपण के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में तत्काल तैयारी शुरू कर दें। अभियान में लक्ष्य के अनुसार पौधे रोपित कराएं। रोपित पौधों की सुरक्षा के भी उचित प्रबंध करें। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण को जन आंदोलन का रूप दें। कमिश्नर ने कहा कि सड़कों से जुड़े अधिकारी हाईवे तथा अन्य प्रमुख मार्गों से निराश्रित गौवंश को हटाकर आसपास की गौशालाओं में सुरक्षित कराएं। संयुक्त संचालक पशुपालन निराश्रित गौवंश को सुरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास करें साथ ही विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराएं। नेशलन हाईवे, सड़क विकास निगम तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारी अधिक वर्षा में जलमग्न होने वाले पुलों में साइन बोर्ड तथा बैरियर तत्काल लगाएं। संयुक्त संचालक कृषि खाद, बीज और कीटनाशकों के नमूने लेकर उनकी जाँच कराएं।

नमूने अमानक पाए जाने पर कड़ी कार्यवाही करें। सहकारी समितियों के माध्यम से खाद का किसानों में वितरण कराएं। बैठक में कमिश्नर ने प्राकृतिक खेती, सड़कों के सुधार तथा खाद्यान्न वितरण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त स्वदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, प्रभारी मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास शशि श्याम उइके तथा संभागीय उपस्थित रहीं।

शौर्य दल का प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के क्रम में शौर्य दल की कार्यशाला का आयोजन किया गया। होटल स्टार में आयोजित कार्यशाला में जिला विधिक सेवा अधिकारी अभय कुमार मिश्रा ने महिलाओं की सुरक्षा के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यशाला में लॉ ऑफ़िसर अनीश पाण्डेय ने उपस्थितों को बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए शपथ दिलाई। कार्यक्रम में सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास आशीष द्विवेदी ने जेंडर संवेदीकरण विषय के संबंध में विस्तार से जानाकरी दी। मनु सिंह ने किशोरी बालिकाओं को माहवारी स्वच्छता एवं एनीमिया से बचने के उपाय के बारे में अवगत कराया। बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास स्वाति श्रीवास्तव ने बच्चों को उमंग हेल्पलाइन नंबर 14425, पॉक्सो ई बॉक्स एवं बाल संरक्षण के विषय के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण में किशोरी बालिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे।

भतीजे ने चाचा पर किया कुल्हाड़ी से हमला, गंभीर हालत में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सेमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम चकदही में एक सनकी भतीजे ने अपने चाचा पर कुल्हाड़ी से प्राणघातक हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल चाचा दीनानाथ शुक्ला को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल, रीवा में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी देते हुए घायल के बेटे अंजनी शुक्ला ने बताया कि उनके चाचा के बेटे सुनील शुक्ला ने अचानक उनके पिता पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले का कोई स्पष्ट कारण नहीं है और पहले से कोई विवाद भी नहीं था। अंजनी के अनुसार, सुनील का व्यवहार सनकी जैसा है और वह पहले भी उनकी भाभी पर हमला कर चुका है। उन्होंने सुनील पर मारपीट और दादागिरी करने की आदत का आरोप लगाया। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना पुलिस को दी और 100 नंबर पर कॉल कर मदद मांगी।

अश्लील वीडियो देखने से रोकने पर पति ने की पत्नी की हत्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सथिनी गांव में 28 जून की रात अशोक पटेल ने अपनी पत्नी पुष्पा पटेल की हत्या कर दी। [ड्डस्रस्र] पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि, अश्लील वीडियो देखने से रोकने पर हुई बहस में गुस्से में आकर अशोक ने पत्नी को पहले पीटा और फिर कंबल से मुंह दबाकर मार डाला। उसने हत्या को चोरी का रूप देने के लिए घर का सामान बिखेरा और सांप काटने का बहाना बनाया। पुलिस को अशोक की कहानी संदिग्ध लगी। उसके 8 साल के बेटे ने बताया कि माता-पिता के बीच झगड़ा हुआ था, जिसके बाद सख्त पूछताछ में अशोक ने गुनाह कबूल लिया। उसकी अश्लील वीडियो की लत इस अपराध की वजह बनी। पुलिस ने अशोक को गिरफ्तार कर मंगलवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सड़क न होने से एंबुलेंस नहीं पहुंची, महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हिनौता पंचायत के ग्राम गोहिया में सड़क सुविधा के अभाव में एक महिला की जान चली गई। मृतिका सीता सिंह की तबीयत खराब होने पर परिजनों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन डेढ़ किलोमीटर तक सड़क न होने के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। नतीजतन, सीता सिंह को समय पर उपचार नहीं मिला और उन्होंने तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। मृतिका के परिजन सुनील सिंह ने बताया कि गोहिया गांव में सड़क की सुविधा नहीं है, जिसके चलते सीता सिंह को अस्पताल ले जाना संभव नहीं हो सका। उन्होंने बताया कि गांव में करीब 20 घरों की बस्ती है, लेकिन सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जिसके कारण ग्रामीण घरों में नजरबंद हो जाते हैं। इस घटना ने ग्रामीणों में आक्रोश पैदा कर दिया है।

रीवा के ढेकहा चौराहे पर घायल अवस्था में मिली युवती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ढेकहा चौराहे के पास देर रात एक युवती गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ी मिली। आरोप है कि तीन अज्ञात लोगों ने युवती के साथ जमकर मारपीट की और उसे बेहोशी की हालत में सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस पूछताछ में युवती ने खुद को मऊगंज जिले का निवासी बताया है। हालांकि, वह रीवा कैसे पहुंची और उसके साथ मारपीट करने वाले लोग कौन थे, इसकी जांच पुलिस कर रही है। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के साथ ही पुलिस यह भी जांच रही है कि युवती द्वारा बताए गए घटनाक्रम में कितनी सच्चाई है या इसका कोई अन्य कारण है।

जनसुनवाई में 87 सुने गये आवेदन

पुरैना गांव में ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मंगलवार में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट में 87 आवेदकों की समस्यायें सुनी गई। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी एवं संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया।

रायपुर कर्चुलियान जनपद अन्तर्गत गढ़वा के ग्रामवासियों ने गांव में सड़क, नाली, नलजल योजना, सहित जर्जर पंचायत भवन को बनाये जाने तथा पंचायत भवन के नियमित संचालन का आवेदन दिया जिसे सीईओ को आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसी प्रकार गढ़वा ग्रामवासियों के सड़क में मुरमीकरण कराये जाने का आवेदन को सीईओ जनपद रीवा को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये। संतोष कुमार पाण्डेय परिहारिन पुर्वा के नकल दिलाने, संजय कुमार साहू देवरा फरेंदा के कम्प्यूटरीकृत नक्शे में त्रुटि सुधार के आवेदन को संबंधित एसडीएम को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। चन्द्रवती निवासी डेल्ही के कब्जे की भूमि से अतिक्रमण हटाने के आवेदन को एसडीएम सिरमौर को तथा दानी निवासी राजकुमार के खसरा सुधार के आवेदन को एसडीएम गुढ़ को कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई में विनोद कुमार लोही निवासी ने घर के सामने से पानी निकासी का आवेदन दिया जिसे जनपद रीवा सीईओ को कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। रविकांत द्विवेदी के सीमांकित भूमि का कब्जा दिलाने के आवेदन को एसडीएम जवा को, सिलपरा निवासी भोलई साकेत के अतिक्रमण हटाने के आवेदन को तहसीलदार हुजूर को तथा रामभजन सिंह चचाई निवासी के खाद्यान्न पर्ची में नाम जोड़ने के आवेदन को खाद्य अधिकारी को कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में मुद्रिका प्रसाद बहेलिया निवासी गोविंदगढ़ के सीमांकन कराने के आवेदन को नायब तहसीलदार गोविंदगढ़ को तथा कृष्ण कुमार चर्मकार के राहत राशि प्रदाय के आवेदन को जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग को कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधान न्यायाधीश तथा कलेक्टर ने बाल सम्प्रेक्षण गृह का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थायें दुरूस्त रखने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान तथा कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बाल सम्प्रेक्षण गृह का औचक निरीक्षण किया तथा व्यवस्थायें दुरूस्त रखने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा तथा साफ-सफाई की व्यवस्था पुख्ता रखने के निर्देश अधीक्षक को दिये गये। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व कलेक्टर ने अपचारी बच्चों के कक्षों का निरीक्षण किया तथा वहां प्रकाश व हवा की समुचित व्यवस्था के निर्देश दिये। उन्होंने किचेन में बनाये जा रहे खाने व स्टोर में उपलब्ध सामग्री का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी को बुलाकर खाद्यान्न सामग्री के सेम्पलिंग लेने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपचारी बच्चों से मिलने वाले भोजन एवं नाश्ते के विषय में जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान बाल सम्प्रेक्षण गृह में बच्चों के लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था व इनडोर खेल की व्यवस्थाओं के लिये निर्देशित किया गया। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी को दिये गये सभी बिन्दुओं की जांचकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा भवन निर्माण के लिये डीपीआर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर ने शिवानी पाण्डेय व सचिन तिवारी को अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इस दौरान सचिव जिला विधिक प्राधिकरण समीर मिश्रा, श्रीमती विश्वेश्वरी मिश्रा, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नयन सिंह, सहायक संचालक आशीष द्विवेदी उपस्थित रहे।

25 मवेशी कराये मुक्त, 3 गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत के नेतृत्व में पशु तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी है। गोपनीय सूचना के आधार पर गढ़ थाना पुलिस ने एक ट्रक से क्रूरतापूर्वक बूचड़खानों ले जाए जा रहे 25 मवेशियों को मुक्त कराया और उन्हें गौशालाओं में भेजा। इस ऑपरेशन में तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनके खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

टमस नदी के पुल पर खेलते समय नदी में गिरने से 9 वर्षीय बच्चे की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अतरैला थाना क्षेत्र के पटेहरा बाजार में एक दुखद हादसा सामने आया है। 9 वर्षीय वेदांत गुप्ता, जो दोस्तों के साथ टमस नदी के पुल पर खेल रहा था, तभी अचानक नीचे गिर गया और नदी की गहराइयों में समा गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम की मदद से 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे के शव को नदी से बाहर निकाला। शव को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक बच्चे के बड़े पिता जगनारायण गुप्ता ने बताया कि वेदांत अपने दोस्तों के साथ पुल पर खेल रहा था। इस दौरान वह पाइप पर चढ़कर नदी की ओर झांक रहा था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। जब तक उसे बचाने का प्रयास किया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पटेहरा पुल पर ऐसी कई घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं, जिसके बावजूद प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

छात्रवृत्ति के लिए ओटीआर नम्बर और आधार सत्यापन होगा अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा छात्रवृत्ति के आवेदन पत्र ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जा रहा है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है। छात्रवृत्ति के लिए पात्र कक्षा नवीं से महाविद्यालय स्तर तक के विद्यार्थियों को दो चरणों में ओटीआर प्राप्त कर आवेदन पत्र दर्ज करना होगा। छात्रवृत्ति के आवेदन के लिए ओटीआर नम्बर और आधार सत्यापन कराना अनिवार्य है। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि दो लाख 50 हजार वार्षिक आय सीमा के अनुसूचित जाति, जनजाति परिवारों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जाएगा। वर्ष 2025-26 की छात्रवृत्ति के लिए पात्र विद्यार्थी को नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर पंजीयन कराकर वन टाइम रजिस्ट्रेशन नम्बर प्राप्त करना होगा।

सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता को दी गई भावभीनी विदाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित समारोह में कमिश्नर बीएस जामोद तथा अन्य अधिकारियों ने सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ऊर्जा आईके त्रिपाठी को भावभीनी विदाई दी। श्री त्रिपाठी 37 वर्ष का सेवाकाल पूरा करके 30 जून को सेवानिवृत्त हुए हैं। श्री त्रिपाठी को शॉल, श्रीफल, पुष्पहार एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि श्री त्रिपाठी ने अपनी प्रशासनिक क्षमता और उत्कृष्ट तकनीकी ज्ञान से सफलता के नए आयाम स्थापित किए। रीवा जैसे चुनौतीपूर्ण संभाग में बिजली संबंधी शिकायतों का तत्परता से निराकरण कराकर कई बार सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में विभाग को प्रथम स्थान दिलाया। वरिष्ठ से लेकर मैदानी कर्मचारियों तकण सतत संवाद से विभाग से जुड़ी शिकायतों को दूर किया। जिसके कारण संभाग में कभी भी कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। संभागीय अधिकारियों के दल में भी शामिल होकर श्री त्रिपाठी ने शासन के महत्वपूर्ण अभियानों की मानीटरिंग में उल्लेखनीय कार्य किया। इस अवसर सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ने कहा कि मैंने निजी क्षेत्र से अपनी सेवाएं शुरू की और 37 वर्ष शासकीय सेवा में रहा। निजी क्षेत्र के कई अच्छे गुणों को शासकीय क्षेत्र में शामिल करने का प्रयास किया। बिजली विभाग में शिकायतें बहुत अधिक होती हैं। फील्ड में रहने वाले छोटे-छोटे कर्मचारी से जीवंत संपर्क रखकर वस्तुस्थिति के अनुसार कार्यवाहियाँ की जिससे शिकायतों का समय पर समाधान हो सका। उन्होंने कहा कि कमिश्नर कार्यालय में संभागीय अधिकारियों की टीम बनाने तथा सेवानिवृत्ति और स्थानांतरण पर समारोहपूर्वक विदाई की कमिश्नर श्री जामोद सर की पहल शासकीय कार्यालय के वातावरण को पारिवारिक बना देती है। कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता श्रीमती प्रमा पाण्डेय तथा संभागीय जनसंपर्क अधिकारी उमेश तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में संयुक्त आयुक्त स्वदेश मालवीय, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ एमएल गुप्ता, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे तथा संभागीय उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना//

(SECOND CALL)

क्रमांक 608/ई-टेंडर/फायर शाखा/न.पा.नि./2025 रीवा, दिनांक 05.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्र. एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2025_UAD_421413_2 (SECOND CALL) 27.06.2025	SUPPLY OF VEHICLES LIKE- INNOVA, SAFARI, TATA, HEXA, SCORPIO, BOLERO, SWIFT DESIRE AND EV VEHICLE ON RENTAL BASIS FOR MUNICIPAL OFFICERS IN FINANCIAL YEAR 2025-2026	32.04 लाख	5000/- 24030/-	11/07/2025 17:30 बजे तक।

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

HEALTH OFFICER
MUNICIPAL CORPORATION
REWA (M.P.)

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।